रांची, शुक्रवार, 27 मार्च 2026
संवत 2083, चैत्र शुक्ल 9 संवत मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 191, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ श्रद्धा संकल्प और संस्कारों का महापर्व

तारणहार है राम का नाम ◂◂ 6

रामनवमी पर राजधानी रांची पूरी तरह भक्ति के रंग में रंगी

मेट्रो रेज

रांची : रामनवमी के पावन अवसर पर राजधानी रांची पूरी तरह भक्ति के रंग में रंगी नजर आई। शुक्रवार सुबह से ही शहर के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हर ओर जय श्रीराम के जयकारे गूंजते रहे और माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

सुबह से ही मंदिरों में लगी लंबी कतारें : रांची के अलग-अलग मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। लोग धैर्य के साथ अपनी बारी का इंतजार करते हुए भगवान श्रीराम और बजरंगबली की पूजा-अर्चना कर रहे थे। महिलाएं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग सभी वर्ग के लोग बड़ी संख्या में दर्शन के लिए पहुंचे। पूरे शहर में धार्मिक उत्साह साफ नजर आया।

तपोवन मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब : डोरंडा स्थित तपोवन मंदिर इस बार भी रामनवमी पर खास आकर्षण का केंद्र बना रहा। सुबह होते ही यहां श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। दूर-दराज से आए लोग भी सुबह-सुबह ही यहां पहुंचकर पूजा कर रहे थे।

ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व वाला मंदिर : तपोवन मंदिर को रांची की एक प्राचीन और ऐतिहासिक धरोहर माना जाता है। यह मंदिर न सिर्फ राजधानी बल्कि आसपास के इलाकों के लोगों के लिए भी आस्था का बड़ा केंद्र है। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से पूजा करने पर मनोकामनाएं पूरी होती हैं, यही वजह है कि हर साल रामनवमी पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं।

सुबह की पूजा का खास महत्व : रामनवमी के दिन सुबह की पूजा को विशेष महत्व दिया जाता है। इसी कारण कई श्रद्धालु भोर होते ही मंदिर पहुंच जाते हैं।

रांची के अलावा आसपास के ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में लोग तपोवन मंदिर आकर भगवान श्रीराम का आशीर्वाद लेते हैं।

सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम : भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। पुलिस बल तैनात है और प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है। मंदिर समिति और स्वयंसेवक भी श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से दर्शन कराने में जुटे हैं, जिससे किसी को परेशानी न हो।

अखाड़ों के जत्थों से बढ़ता है उत्साह : रामनवमी के मौके पर शहर के अलग-अलग अखाड़ों के जत्थे भी तपोवन मंदिर पहुंचते हैं। देर रात तक यहां पताका मिलन और पारंपरिक प्रदर्शन का आयोजन होता है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं।

राममय हुआ पूरा शहर : रामनवमी के इस पावन पर्व पर रांची का माहौल पूरी तरह राममय हो गया है। हर गली-मोहल्ले में भक्ति, आस्था और परंपरा का अनोखा संगम देखने को मिल रहा है, जिससे शहर में उत्सव का माहौल बना हुआ है।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाई, कीमतों में बढ़ोतरी पर लगी रोक

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में कटौती करने का बड़ा फैसला लिया है। सरकार के इस निर्णय के तहत पेट्रोल पर 10 रुपये और डीजल पर 13 रुपये प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी कम की गई है। सरकार के इस कदम से देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में संभावित बढ़ोतरी की आशंकाओं पर फिलहाल विराम लग गया है। साथ ही, केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि अभी के लिए ईंधन की कीमतों में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी इजरायल-ईरान युद्ध के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। हालांकि भारत में अभी तक तेल के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। इस बीच, कुछ हलकों में यह चर्चा भी थी कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि हो सकती है, लेकिन सरकार के ताजा फैसले से इन अटकलों पर भी विराम लग गया है।

सरकार के इस फैसले से आम जनता को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है और महंगाई पर भी कुछ हद तक नियंत्रण संभव हो सकेगा।

अयोध्या : रामनवमी पर रामलला का 'सूर्य तिलक'

पीएम मोदी भी बने दिव्य नजारे के साक्षी

नई दिल्ली : देशभर में भगवान श्री राम के जन्मोत्सव की धूम है। इस दौरान अयोध्या में हर्षोल्लास से रामनवमी का पर्व बड़े धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर भव्य राम मंदिर में रामलला का सूर्य तिलक हुआ, जिसे देखकर भक्तों में बेहद खुशी और भक्ति का माहौल था। रामलला का ललाट लगभग 4 मिनट 'सूर्य तिलक' से जगमगा उठा। रामलला के 'सूर्य तिलक' का टीवी पर सीधा प्रसारण खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर भी देखा। इस मौके पर पीएम मोदी ने तालियां भी बजाईं। अब इसकी तस्वीरें और वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पीएम मोदी ने अपने आवास पर रामलला के 'सूर्य तिलक' का दिव्य और भव्य नजारे का सीधा प्रसारण टीवी पर देखा। इस दौरान उन्होंने रामलला की हाथ जोड़कर पूचा-अर्चना भी की। यह पहली बार नहीं है जब पीएम मोदी इस दिव्य पल के साक्षी बने हैं। इससे पहले साल 2024 में जब प्रधानमंत्री मोदी असम में एक रैली को संबोधित करने जा रहे थे, तब भी उन्होंने समय निकालकर रामलला के सूर्य तिलक के अलौकिक नजारे का सीधा प्रसारण हेलीकॉप्टर से टैबलेट के माध्यम से देखा था।

बता दें कि अयोध्या में दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्य तिलक किया गया। इस दौरान भगवान के ललाट पर सूर्य किरणें पड़ीं और इसके साथ ही रामलला का जन्म भी हुआ। इस दौरान 14 पुजारी गर्भगृह में मौजूद रहे और सूर्य तिलक के बाद आरती हुई। थोड़ी देर के लिए रामलला का पट भी बंद किया गया।

वहीं, सुबह से ही अयोध्या में श्रद्धालुओं का तांता देखने को मिला। लोग दूर-दराज के इलाकों से आए हैं ताकि वे इस धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बन सकें। सुबह-सुबह पवित्र स्नान करने के बाद भक्त रामलला के दर्शन के लिए मंदिर में उमड़ पड़े। सुबह से ही लोग कतारबद्ध होकर भगवान राम के दर्शन का इंतजार कर रहे थे। पूरा शहर भक्ति और उत्साह के माहौल में 'जय श्री राम' के जयकारे से गुंजायमान रहा जिला प्रशासन ने भी इस अवसर पर सुरक्षा को पूरी तरह सुनिश्चित किया। शहर में पुलिस बलों को विभिन्न स्थानों पर रणनीतिक रूप से तैनात किया गया ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। सुरक्षा व्यवस्था के साथ भक्तों को बिना किसी परेशानी के पूजा-अर्चना करने का मौका मिला रहा है।

चतरा में ट्रक चालकों का कहर, महिला को कुचला,मौत

चतरा : जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बगरा मोड़ पर गुरुवार को रफ्तार का कहर देखने को मिला। एक अनियंत्रित ट्रक ने सड़क पार कर रही 50 वर्षीय महिला को रौंद दिया, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मृतिका के शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया है, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। मृतिका की पहचान लावालौंग के कासीमहुआ गांव निवासी आशा देवी के रूप में हुई है, जो अपनी बेटी के घर से लौट रही थीं। हादसे के बाद मृतिका के पुत्र जुगेश्वर साव और स्थानीय ग्रामीणों ने मुआवजे और ट्रक चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान मौके पर पहुँची पुलिस और गुस्साए ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। भाजपा नेता विनोद बिहारी ने आरोप लगाया कि अवैध ट्रांसपोर्टिंग और ट्रकों की लापरवाही से आए दिन ऐसे हादसे हो रहे हैं। हालात को देखते हुए सिमरिया अंचल अधिकारी गौरव कुमार मौके पर पहुँचे और परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार ट्रक की तलाश जारी है।

30 मार्च को होगी यूजी सेमेस्टर- 1 की परीक्षा

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मु विश्वविद्यालय, दुमका ने रामनवमी अवकाश में संशोधन के कारण 27 मार्च 2026 को निर्धारित यूजी सेमेस्टर-1 की परीक्षाओं को स्थगित कर दिया था। अब उक्त परीक्षा की नई तिथि 30 मार्च 2026 निर्धारित की गई है, जो पूर्व निर्धारित ग्रुप एवं दोनों पालियों में आयोजित होगी।

एसकेएमयू के छात्र अनवर हुसैन को किया गया सम्मानित

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मु विश्वविद्यालय दुमका के भौतिकी विभाग के छात्र अनवर हुसैन ने भारतीय रिजर्व बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, रांची द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में ह्लराज्य के रूप में झारखंड के पच्चीस वर्षह्व विषय पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस प्रतियोगिता में राज्य भर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में धनबाद में आयोजित एक सम्मान समारोह में हुसैन को ?11,000 की पुरस्कार राशि प्रदान कर भारतीय रिजर्व बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, रांची की ओर से सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय आगमन पर छात्र अनवर हुसैन का डीएसडब्ल्यू डॉ. जैनेंद्र यादव, रजिस्ट्रार डॉ. राजीव रंजन शर्मा, विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार यादव तथा अन्य शिक्षकों–डॉ. राजीव रंजन सिन्हा, डॉ. इन्द्रजीत कुमार एवं श्री राजेश कुमार–द्वारा स्वागत किया गया। सभी ने उन्हें इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डीएलएमसी की बैठक संपन्न

देवघर : बुधवार को डीएलएमसी की बैठक व्यवहार न्यायालय देवघर के वी.सी सभागार में आयोजित की गई। जिसमें पीड़ित प्रतिकार, राष्ट्रीय लोक अदालत 09.05.2026, ट्रैफिक चालान के मामलों में वृद्धि तथा विधिक सेवा एवं सशक्तिकरण शिविर जिसका आयोजन 29.03.2026 को निर्धारित है इन सभी पर महत्वपूर्ण विचार विमर्श किया गया। जिसमें प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कौशल किशोर झा के अध्यक्षता में, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा, पुलिस अधीक्षक सौरभ, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गवर्मेंट प्लीडर पब्लिक प्रोसिक्यूटर, जिला विधि शाखा पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य विभागों के पदाधिकारीगण इस बैठक में सम्मिलित हुए।

दानपात्रों को मंदिर प्रशासन की देखरेख में खोला गया

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा जानकारी दी गई कि बुधवार को बाबा मंदिर प्रांगण स्थित 18 दानपात्र को मंदिर प्रशासन की देखरेख में खोला गया। साथ ही गिनती के पश्चात दानपात्र से कुल आय 32,14,245 के अलावा नेपाली नगद- 9280, डॉलर- 11, पाकिस्तानी करंसी 100, यूरो 20 दान स्वरूप प्राप्त हुआ। इससे अलावे मंदिर के दान पात्र को कड़ी सुरक्षा के बीच खोला गया। पात्र से निकले पैसे को गिनती के लिए मंदिर प्रशासनिक भवन में रखा गया।

जनता की समस्याओं का समाधान को लेकर अपर समाहर्ता ने अधिकारियों को दिए निर्देश

देवघर : जिले के अपर समाहर्ता हीरा कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, आपूर्ति विभाग, भूअर्जन, विभिन्न अंचल व शिक्षा विभाग से जुड़े मामलों को अपर समाहर्ता के समक्ष रखा। साथ ही अपर समाहर्ता द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।

इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात अपर समाहर्ता श्री कुमार ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन की निगरानी की जा सके।

रामनवमी को लेकर प्रशासन सतर्क

उपायुक्त व एसपी ने अखाड़ा समितियों एवं जुलूस मार्गों का किया निरीक्षण

संवाददाता

चतरा : रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय है। इसी क्रम में गुरुवार को उपायुक्त कीर्तिश्री जी एवं पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने नगर परिषद क्षेत्र के विभिन्न अखाड़ा समितियों एवं प्रमुख जुलूस मार्गों का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने उन स्थलों का जायजा लिया, जहां से रामनवमी के अवसर पर जुलूस निकाले जाते हैं। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी अखाड़ा समितियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएं, ताकि जुलूस के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो।उपायुक्त ने नगर परिषद एवं संबंधित विभागों को साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी तथा सीसीटीवी कैमरों एवं गश्ती दल के माध्यम से सतत निगरानी रखी जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की संयुक्त प्रतिनियुक्ति की जाएगी। साथ ही किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने या असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।जिला प्रशासन ने सभी अखाड़ा समितियों के पदाधिकारियों एवं आम नागरिकों से अपील किया कि वे प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए पर्व को शांति, सद्भाव एवं भाईचारे के साथ मनाएं तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।इस अवसर पर अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चतरा संदीप कुमार सुमन, सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह, नगर परिषद के पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने किया कार्यालय का औचक निरीक्षण

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने गुरुवार को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए जिले में संभावित पेयजल समस्याओं के त्वरित निदान हेतु संचालित नियंत्रण कक्ष की प्रगति एवं कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई।

निरीक्षण के क्रम में प्रमंडल संख्या-1 एवं 2 की उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया गया तथा कर्मियों की उपस्थिति एवं कार्य अनुशासन की जांच की गई। इसके अतिरिक्त कैश बुक रजिस्टर, पत्राचार से संबंधित निर्गत पंजी का भी निरीक्षण कर अभिलेखों के संधारण की स्थिति का जायजा लिया गया। उपायुक्त श्री सिन्हा द्वारा कंट्रोल रूम की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए वहां उपलब्ध संसाधनों एवं व्यवस्थाओं का आकलन किया गया। इस दौरान नियंत्रण कक्ष में कार्यरत ऑपरेटरों से उनके दायित्वों एवं दैनिक कार्यों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई तथा उन्हें आमजनों से प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन हेतु तत्पर रहने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया कि पेयजल संबंधी नियंत्रण कक्ष को यथाशीघ्र पूर्ण रूप से सुचारू किया जाए, ताकि ग्रीष्म ऋतु में उत्पन्न होने वाली जल समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सके। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि नियंत्रण कक्ष में प्राप्त शिकायतों एवं उनके निष्पादन से संबंधित प्रतिदिन का विवरण नियमित रूप से रजिस्टर में संधारित किया जाए तथा इसकी सतत निगरानी की जाए।

रामनवमी पर मां कौलेश्वरी पर्वत पर उमड़ा आस्था का सैलाब

एसडीओ मोहम्मद जहूर आलम ने लिया मेला परिसर का विस्तृत जायजा, दिए कई अहम निर्देश

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड स्थित मां कौलेश्वरी पर्वत पर रामनवमी के अवसर पर चल रहा नवदिवसीय मेला चरम पर है। पर्वत पर इन दिनों आस्था का ऐसा माहौल है कि प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने पूरे इलाके को सुरक्षा और सुविधा के मद्देनजर विशेष निगरानी में रखा है।इसी क्रम में मां कौलेश्वरी विकास प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सह सदर एसडीओ मोहम्मद जहूर आलम तथा जिला परिषद अध्यक्ष ममता कुमारी गुरुवार को पर्वत की तलहटी में पहुंचे और मेला क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया।दोनों ने पूरे पर्वत परिसर,मंदिर मार्ग,भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा चौकियों और सुविधा केंद्रों का बारीकी से जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान सीओ सह समिति के सचिव रितिक कुमार,बीडीओ निखिल गौरव, कमान कच्छप, थाना प्रभारी प्रभात कुमार, सदस्य कौशलेंद्र कुमार सिंह व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। एसडीओ ने सभी को सख्त निर्देश दिया कि भीड़ नियंत्रण, विधि-व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान समिति ने चिकित्सा सुविधा,पेयजल,बिजली, पार्किंग,चलने वाले मार्ग,बैरिकेडिंग और शौचालयों की व्यवस्थाओं का एक-एक कर निरीक्षण किया। एसडीओ ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि किसी भी श्रद्धालु को बीमारी या शारीरिक परेशानी होने पर तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने मौके पर तैनात चिकित्सा टीम, पुलिस बल और प्रशासनिक कर्मियों की ड्यूटी शिफ्टों की समीक्षा करते हुए कहा कि मेला अवधि में 24 घंटे सेवा में किसी तरह की ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी।

आस्था का संगम कौलेश्वरी पर्वत कौलेश्वरी पर्वत हिंदू, जैन और बौद्ध तीनों धर्मावलंबियों की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। रामनवमी के दौरान पर्वत पर स्थित मां कौलेश्वरी मंदिर में दर्शनझपूजन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।मंदिर परिसर की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सीढ़ियों एवं मार्गों का सुधार, और श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती की गई है। मेला को सफल और सुरक्षित बनाने के लिए प्रबंधन समिति, पुलिस प्रशासन, चिकित्सा दल एवं सुरक्षा बलों की 24 घंटे की तैनाती सुनिश्चित की गई है। अधिकारी लगातार क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

रामनवमी के पावन अवसर पर मां कौलेश्वरी पर्वत पर आस्था, अनुशासन और प्रशासनिक समन्वय का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। श्रद्धालु शांतिपूर्वक और व्यवस्थित वातावरण में पूजा-अर्चना कर सकें, इसके लिए प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ जुटा हुआ है।

खनन टास्क फोर्स की बैठक में उपायुक्त का अवैध खनन एवं परिवहन पर सख्ती के निर्देश

संवाददाता

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में बुधवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में खनन टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। बैठक में अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु कई अहम निर्णय लिए गए।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने निर्देश दिया कि अवैध कोयला खनन प्रभावित क्षेत्रों में नियमित रूप से डोजरिंग की जाए तथा सुदूर एवं दुर्गम इलाकों में ड्रोन के माध्यम से सतत निगरानी रखी जाए। विशेष रूप से शिकारीपाड़ा एवं गोपीकांदर प्रखंडों में सघन निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में जिन अवैध खदानों को डोजरिंग के माध्यम से ध्वस्त किया गया है, उन स्थलों की वर्तमान स्थिति का स्थल निरीक्षण कर फोटो सहित विस्तृत प्रतिवेदन समर्पित किया जाए। साथ ही अवैध खदानों की पहचान कर नियमित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

बैठक में जानकारी दी गयी कि जिले के सभी प्रखंडों में खनिज परिवहन करने वाले वाहनों की नियमित जांच की जा रही है। 24 फरवरी 2026से 24 मार्च 2026 तक जिला खनन पदाधिकारी द्वारा कुल 90 वाहनों की जांच की गई, जिनमें से 12 वाहनों से जुमार्ना वसूला गया तथा 2 मामलों में प्राथमिकी दर्ज की गयी। वहीं जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा 78 वाहनों की जांच कर 19 वाहनों से जुमार्ना वसूला गया।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि लीज क्षेत्र से बाहर किसी भी प्रकार का खनन करने वालों चिन्हित कर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने काठीकुंड, गोपीकांदर एवं रानेश्वर प्रखंडों में वाहन जांच और अधिक सघन करने का निर्देश दिया।

बैठक में पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने कहा कि अवैध खनन एवं खनिज परिवहन पर नियंत्रण के लिए प्रतिदिन अधिक से अधिक वाहनों की जांच सुनिश्चित की जाए।

बैठक में सभी अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी सहित सहित संबंधित विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने किया देवघर में नए आधार सेवा केंद्र का उद्घाटन

संवाददाता

देवघर : क्षेत्रीय भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को देवघर में एक नए आधार सेवा केंद्र (अरड) का उद्घाटन किया।

इस नए एएसके का उद्घाटन देवघर तथा आसपास के क्षेत्रों में आधार सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह केंद्र उन्नत तकनीकी सुविधाओं एवं बेहतर अवसंरचना से सुसज्जित है, जिसका उद्देश्य तेज, पारदर्शी एवं नागरिक-अनुकूल आधार नामांकन और अद्यतन सेवाएं प्रदान करना है।

पूर्व में झारखंड में यूआईडीएआई के एएसके केवल तीन जिलों–रांची, धनबाद एवं पूर्वी सिंहभूम–में सीमित थे। चरणबद्ध तरीके से एएसके का विस्तार किया जा रहा है और बोकारो, हजारीबाग, गिरिडीह, देवघर, गोड्डा, दुमका, साहिबगंज, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम, गढ़वा एवं पलामू में नए केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर सांसद श्री दुबे ने आधार पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने तथा नागरिकों को आधार सेवाओं की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यूआईडीएआई के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास पारदर्शिता, दक्षता एवं सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा को बढ़ाते हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों का 5 वर्ष एवं 15 वर्ष की आयु पर अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (टइव) अवश्य कराएं, ताकि वे छात्रवृत्ति जैसी सुविधाओं का लाभ उठा सकें तथा ठएएळ एवं उवएळ जैसी परीक्षाओं में सम्मिलित हो सकें।

इस कार्यक्रम में यूआईडीएआई क्षेत्रीय कार्यालय, रांची के उप महानिदेशक अखिलेश कुमार गुप्ता एवं पश्चिम बंगाल के निदेशक सुबोदीप चौधरी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

यह नया एएसके उन्नत अवसंरचना एवं नागरिक-केंद्रित सुविधाओं से युक्त है। इसमें दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों एवं गर्भवती महिलाओं के लिए समर्पित काउंटर की व्यवस्था की गई है, जिससे उन्हें सुगमता से सेवाएं प्राप्त हो सकें। यह नया एएसके देवघर एवं संथाल परगना क्षेत्र में आधार सेवाओं की गुणवत्ता एवं दक्षता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएगा, जिसमें त्वरित प्रसंस्करण, कम अस्वीकृति दर तथा जन्म पंजीकरण संख्या (इफ्ठ) आधारित बाल नामांकन की सुविधा शामिल है। इस एएसके के दैनिक संचालन का कार्य बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड द्वारा किया जाएगा।

गोदोवार में धूमधाम से मनाई गई बसपा संस्थापक काशीराम की जयंती

चतरा। हंटरगंज प्रखंड के गोदोवार में स्थित अम्बेडकर राष्ट्रीय महिला विकास समिति कार्यालय मे बहुजन नायक बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशी राम की 92 वी जयंती धूम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व अम्बेडकर समिति के संरक्षक राजु दा ने की। मौके पर अम्बेडकर राष्ट्रीय महिला विकास समिति के अध्यक्ष लालती पासवान, सचिन, राखी, रंजन, सोनी पासवान, चिन्ता निषाद, पुजा महतो, निर्मल ठाकुर,दिनेश भारती,अरुण साव, राहुल कुमार, निभा कुमारी, चांदनी कुमारी, सिया प्रजापति सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए राजु दा ने बताया कि कांशी राम एक युग है जिन्होंने शिक्षा और संविधान के बल पर साइकिल के सहारे पूरे समाज को एक जुट कर सत्ता में भागी दारी दिलाना का काम किए जिनसे हमें समाज मे निस्वार्थ भावना से काम करने का प्रेरणा मिलता है । समाज को संविधान की दशा में हक अधिकार रक्षा - सुरक्षा मान - सम्मान के लिए हर समाज को आगे आना चाहिए। इनके नेतृत्व में बामसेफ जैसी संगठन का निर्माण हुआ था जो दबे कुचले असहाय गरीब के उत्थान के लिए बनाया गया था। कहा कि हम सभी को एकता के सूत्र मे बंधकर समता बंधुता के रास्ते पर चलकर समाज को शिक्षा और सत्ता के तरफ अग्रसारित करना चाहिए।

सीएम ने भगवान श्री राम और माता जानकी की विधिवत पूजा-अर्चना की

मेट्रो रेज

रांची: मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मोत्सव रामनवमी के पावन अवसर पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राजधानी चुटिया के निवारणपुर स्थित ऐतिहासिक तपोवन मंदिर पहुंचे. यहां उन्होंने भगवान श्री राम और माता जानकी की विधिवत पूजा-अर्चना की और राज्य की खुशहाली के लिए आशीर्वाद मांगा.

आस्था का जनसैलाब और सुरक्षा के कड़े इंतजाम: मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे. वहीं, दूसरी ओर अपने आराध्य के दर्शन के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु मंदिर में मौजूद थे. जय श्रीराम के

उद्घोष के बीच मुख्यमंत्री ने श्रद्धापूर्वक पूजा संपन्न की और उपस्थित जनसमूह का अभिवादन स्वीकार किया.

मुख्यमंत्री का संदेश: एकता और संस्कृति का प्रतीक है रामनवमी: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि भगवान श्रीराम हम सभी के आदर्श हैं. उन्होंने पर्व के महत्व पर जोर देते हुए कहा रामनवमी का यह महापर्व हमारी आपसी एकता, बंधुत्व और सौहार्द को दर्शाता है. यह सदियों से चली आ रही हमारी समृद्ध परंपरा और संस्कृति को और अधिक मजबूती प्रदान करता है. मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यदि हम भगवान श्री राम के जीवन मूल्यों और उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर लें, तो इसमें पूरे समाज और मानव जाति का कल्याण निहित है. उन्होंने प्रभु के चरणों में शीश नवाकर समस्त झारखंडवासियों की उन्नति, सुख-समृद्धि, शांति और बेहतर स्वास्थ्य की कामना की.

एसएसपी ने अखाड़ा समितियों के सदस्यों से मुलाकात कर तैयारियों का जायजा लिया

रांची : रामनवमी पर्व के मद्देनजर जिले में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को वरीय पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न अखाड़ा समितियों के सदस्यों से मुलाकात कर तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने जुलूस मार्ग, भीड़ नियंत्रण, बैरिकेडिंग एवं पार्किंग व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को

आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रहे। इस दौरान आयोजकों के साथ बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील की गई। प्रशासन ने सभी अखाड़ा समितियों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए आपसी समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। मौके पर पुलिस अधीक्षक (यातायात), अनुमंडल पदाधिकारी रांची, पुलिस उपाधीक्षक नगर, संबंधित थाना प्रभारी सहित कई पुलिस पदाधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि रामनवमी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा

अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 01/2026-27

1	विज्ञापन दाता का नाम	–	कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
2	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	–	09-04-2026 को अप0 12.00 बजे तक।
3	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	–	10-04-2026 के अप0 2.30 बजे तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	–	10-04-2026 के अप0 3.00 बजे से।
5	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	–	(i) अधीक्षण अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं–2, राँची का कार्यालय। (ii) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल सिमडेगा।
6	निविदा प्राप्ति का स्थान	–	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
7	कार्य विवरणी :–		

Sl. No.	Name of work	Estimated Cost	Earnest Money	B.O.Q Cost	Time Of Completion
1	1st Floor Extension of Fishery Office Building Simdega.	41,09,100.00	83,000.00	5,000.00	08 (Eight) Months
2	Construction of Parking Shed and PCC Approach for Fishery Office, Simdega.	7,59,900.00	16,000.00	1,250.00	03 (Three) Months

निविदा की शर्तें– WWW.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंडल, सिमडेगा।

PR 376108 (Simdega)25-26*D

सीयूजे का अंतरराष्ट्रीय मंच पर परचम

एसपीसीएमएस-2026 में जीते तीन ह्यबेस्ट पेपर अवॉर्ड

रांची। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) ने अंतरराष्ट्रीय शोध जगत में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराते हुए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों और शोधार्थियों ने कोटा विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एसपीसीएमएस-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन बेस्ट पेपर अवॉर्ड अपने नाम किए।

23-24 मार्च को आयोजित इस सम्मेलन में वाणिज्य, प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा हुई, जिसमें देश-विदेश के विद्वानों ने भाग लिया। सीयूजे की इस सफलता में वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग और व्यवसाय प्रशासन विभाग की अहम भूमिका रही। साथ ही अंतरराष्ट्रीय उद्योग विशेषज्ञ शशांक गुप्ता (मॉर्गन स्टेनली ग्रुप इंटरनेशनल लिमिटेड, न्यूयॉर्क) का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। पुरस्कार विजेता टीम में प्रो. बटेश्वर सिंह, डॉ. रचना जायसवाल, शशांक गुप्ता, मेघा रानी पटेल और नेहा कुमारी शामिल रहे। इन सभी ने अपने शोध कार्यों के माध्यम से समकालीन आर्थिक और तकनीकी विषयों पर गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया।

सम्मेलन के टेक्निकल सेशन-क में प्रस्तुत शोध ह्लनेक इरादों से परे: प्रभाव निवेश को अपनाने में निर्णय आत्मविश्वास, सद्गुण प्रदर्शन और प्रोत्साहन की भूमिकाह्व को सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का सम्मान मिला। वहीं, प्रबंधन ट्रैक में प्रस्तुत ह्लपैसों का ख्याल: पर्यटकों के बीच बजट बनाने और खर्च करने के व्यवहार को वित्तीय साक्षरता कैसे प्रभावित करती है, इसका अन्वेषणह्व और ह्लएल्गोरिदम द्वारा मूल्य निर्धारण, पर्यटकों द्वारा मूल्यांकन: एआई-संचालित गतिशील मूल्य निर्धारण किस प्रकार यात्रा संबंधी निर्णयों को प्रभावित करता हैह्व शोधों को भी ह्यबेस्ट पेपर अवॉर्डह्न से सम्मानित किया गया।

इस उपलब्धि को और मजबूती तब मिली जब शोध दल का एक पेपर स्कोपस सूचीबद्ध जर्नल में स्वीकृत हुआ, जबकि दो अन्य अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में समीक्षा के अधीन हैं। साथ ही डॉ. रचना जायसवाल का शोध ह्लजेन एआई वैयक्तिकरण: पूर्ववर्ती कारक, परिणाम, मध्यस्थ कारक और नियंत्रक कारकह्व प्रतिष्ठित समकालीन आतिथ्य प्रबंधन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित हुआ है, जो सीयूजे की वैश्विक शोध साझेदारी को नई दिशा देता है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस उपलब्धि को गर्व का विषय बताते हुए कहा कि यह सफलता संस्थान की बढ़ती शोध गुणवत्ता और वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। साथ ही यह विश्वास जताया गया कि ऐसी उपलब्धियां ह्यविकसित भारत 2047ह्न के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

रामनवमी पर पुलिस का फ्लैग मार्च संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा का जायजा

संवाददाता

रांची : आगामी रामनवमी पर्व को लेकर रांची पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में है। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर 26 मार्च 2026 को शहर के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया।

यह फ्लैग मार्च अलबर्ट एक्का चौक से शुरू होकर लाला लाजपत राय चौक, एकरा मस्जिद, कर्बला चौक, पथलकुदवा, चर्च रोड, थड़पखना मस्जिद, लालपुर सहित कई इलाकों में किया गया। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, नगर और यातायात तथा सदर अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में बाइक दस्ता द्वारा लोअर बाजार, हिंदपीढ़ी, डेली मार्केट, चुटिया, डोरंडा, सदर और बरियातू थाना क्षेत्रों में भी फ्लैग मार्च किया गया।

फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य रामनवमी के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखना, आमजन में सुरक्षा के प्रति विश्वास उत्पन्न करना तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने की तैयारी को मजबूत करना है। इस दौरान संवेदनशील क्षेत्रों और जुलूस मार्गों की सुरक्षा व्यवस्था का ड्रोन के माध्यम से सूक्ष्म निरीक्षण किया गया और तैनात पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस अभियान में वरीय पुलिस उपाधीक्षक नगर, पुलिस उपाधीक्षक कोतवाली, विभिन्न थाना प्रभारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल रहे। पुलिस प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या असामाजिक तत्वों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। साथ ही सभी से पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने में सहयोग की अपील की गई है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, सिमडेगा

अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 03/2026-27

1	विज्ञापन दाता का नाम	–	कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
2	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	–	15-04-2026 को अप0 12.00 बजे तक।
3	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	–	16-04-2026 के अप0 2.30 बजे तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	–	16-04-2026 के अप0 3.00 बजे से।
5	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	–	(i) अधीक्षण अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं–2, राँची का कार्यालय। (ii) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल सिमडेगा।
6	निविदा प्राप्ति का स्थान	–	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन प्रमंडल, सिमडेगा।
7	कार्य विवरणी :–		

Sl. No.	Name of work	Estimated Cost	Earnest Money	B.O.Q Cost	Time Of Completion
1	Construction of Drain & Soakpit & Front PCC & Septic Tank At ITI Bano Block – Bano, Dist – Simdega.	16,87,357.00	34,000.00	5,000.00	04 (Four) Months
2	Construction of Bicycle Stand At ITI Bano Block – Bano, Dist – Simdega.	15,38,315.00	31,000.00	5,000.00	04 (Four) Months
3	Construction of Guardwall (Length 100') At ITI Bano Block – Bano, Dist – Simdega.	10,07,428.00	21,000.00	2,500.00	04 (Four) Months
4	Construction of Guard Room Building At ITI Bano Block – Bano, Dist – Simdega.	6,87,600.00	14,000.00	1,250.00	04 (Four) Months

निविदा की शर्तें– WWW.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंडल, सिमडेगा

PR 376107 Simdega(25-26).D

पटेल जयंती पर भव्य आयोजन की तैयारी, जनसंपर्क अभियान तेज

रांची: सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 4 अप्रैल को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के संयोजन में आयोजित होगा।

इस आयोजन की तैयारी को लेकर आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ राजा राम महतो के नेतृत्व में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान के तहत रांची के हरमू स्थित पटेल भवन में सरदार वल्लभभाई पटेल जी की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने क्षेत्र में जनजागरण करते हुए अधिक से अधिक लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की। समिति के सदस्यों ने आम नागरिकों से आग्रह किया कि वे 4 अप्रैल को आयोजित होने वाले इस विशेष कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाग लें।

81 श्रद्धालुओं का जत्था श्री तख्त साहिब जी के दर्शन के लिए रवाना

रांची : गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर कॉलोनी से गुरुवार को 81 श्रद्धालुओं का जत्था श्री तख्त साहिब जी के दर्शन के लिए रवाना हुआ। जत्था शाम 6:15 बजे राजधानी एक्सप्रेस से दिल्ली के लिए प्रस्थान किया। जत्था दिल्ली पहुंचने के बाद शताब्दी एक्सप्रेस से अमृतसर जाएगा, जहां तीन दिनों के प्रवास के दौरान तख्त श्री हरमंदिर साहिब, बाबा दीप सिंह जी गुरुद्वारा समेत अन्य गुरुद्वारों के दर्शन करेगा। 31 मार्च को श्रद्धालुओं का जत्था बस द्वारा तख्त श्री केशगढ़ साहिब, आनंदपुर के लिए रवाना होगा और दो दिनों के प्रवास के बाद 2 अप्रैल को पंजाब के भटिंडा स्थित तख्त श्री दमदमा साहिब पहुंचेगा। दर्शन के पश्चात जत्था लुधियाना में गुरुद्वारा श्री दुख निवारण साहिब में विश्राम करेगा और 4 अप्रैल को श्री गुरुशरण सिंह जी के अमृत साधना कार्यक्रम में भाग लेगा। उसी दिन शाम को राजधानी एक्सप्रेस से रांची के लिए प्रस्थान होगा। जत्थे का नेतृत्व इंदर मिड्ढा और हरीश अरोड़ा कर रहे हैं। जत्थे में 6 बच्चे और 35 महिलाएँ सहित कुल 81 श्रद्धालु शामिल हैं। सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि सभी श्रद्धालुओं को गुरुद्वारा कृष्णा नगर कॉलोनी परिसर से शाम 4 बजे एक साथ ऑटो द्वारा रेलवे स्टेशन भेजा गया। अरदास के साथ सत्संग सभा कमेटी ने श्रद्धालुओं को विदाई दी और माला पहनाकर यात्रा की शुभकामनाएँ दीं। समाज के राजकुमार तलेजा ने यात्रा के दौरान शीतल पेय और पानी की व्यवस्था की।

सोयाबीन की खेती पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

रांची : अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (सोयाबीन) के अंतर्गत, राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर के सहयोग से बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची द्वारा जनजातीय उप-योजना के तहत चान्हो प्रखंड के सिलागई गांव में किसानों के लिए सोयाबीन की सफल खेती पर एक दिवसीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परियोजना की प्रभारी एवं सोयाबीन प्रजनक डॉ नूतन वर्मा ने किसानों को बताया कि सोयाबीन एक लाभकारी एवं पोषक फसल है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि संभव है। इस अवसर पर वरीय वैज्ञानिक (सस्य) डॉ अरविंद कुमार सिंह ने सोयाबीन की उन्नत किस्मों का चयन, बीज उपचार, उर्वरक प्रबंधन एवं कीट-रोग नियंत्रण के विषय में जानकारी दी।

सनातन महापंचायत 251 झंडों के साथ निकलेगी भव्य शोभायात्रा

रांची: सनातन महापंचायत झारखंड केंद्रीय समिति द्वारा इस वर्ष रामनवमी महोत्सव को ऐतिहासिक रूप से मनाने की तैयारी की जा रही है। समिति के मुख्य संयोजक पंडित ललित नारायण ओझा ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्यभर के सनातन धर्म प्रेमी इस बार उत्साह और उमंग के साथ पर्व मनाएंगे।

उन्होंने बताया कि दोपहर 1 बजे सनातन महापंचायत के नेतृत्व में 251 झंडों के साथ शोभायात्रा तपोवन मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी। यह शोभायात्रा पंडरा, हेसल, पिस्का मोड़, धोबी मोहल्ला और रातू रोड से गुजरते हुए महावीर चौक स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर से होकर मेन रोड के रास्ते

तपोवन श्रीराम मंदिर पहुंचेगी। पंडित ओझा ने बताया कि विभिन्न अखाड़ों के समन्वय से यह शोभायात्रा विशाल स्वरूप धारण करेगी। सभी अखाड़ों और धर्म प्रेमियों से समय पर और शांतिपूर्ण ढंग से शोभायात्रा में शामिल होने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि पंडरा, बजरा समेत कई क्षेत्रों के अखाड़ों का मिलन पिस्का मोड़ पर होगा, जहां से जुलूस आगे बढ़ेगा। युवाओं से विशेष अपील करते हुए उन्होंने कहा कि वे श्रीराम का ध्वज, दंड और पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र के साथ अपने परिवार और अखाड़ा दल के साथ शोभायात्रा में भाग लें और आयोजन को सफल बनाएं। इसके साथ ही प्रशासन से मांग की गई है कि शोभायात्रा मार्ग पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, चलंत शौचालय, एंबुलेंस और चिकित्सीय सुविधा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कार्यालय, झुमरी तिलैया नगर परिषद्
झुमरी तिलैया, जिला कोडरमा
Email – jhumritelaiyamunicipalcouncil@gmail.com

पत्रांक : .... दिनांक : ....

शुद्धि पत्र (Corrigendum)

नगर परिषद झुमरी तिलैया अन्तर्गत आमंत्रित अति अल्पकालीन बन्दोबस्ती आम सूचना पत्रांक 4743 दिनांक 20.03.2026 (PR No.375749, Urban Development 2025-26:D) में आंशिक संशोधन करते हुए निम्नलिखित तालिका अनुरूप यथा संशोधित किया जाता है:–

क्रम सं0	पूर्व प्रकाशन	संशोधन
1	आवेदन पत्र कार्यालय से प्राप्त करने एवं कार्यालय में जमा करने की तिथि – 27.03.2026	आवेदन पत्र कार्यालय से प्राप्त करने एवं कार्यालय मे जमा करने की तिथि – 07.04.2026
2	डाक की तिथि – 28.03.2026	डाक की तिथि – 08.04.2026

शेष सभी शर्तें एवं समय यथावत रहेंगे।

ह0/–
कार्यपालक पदाधिकारी
झुमरी तिलैया नगर परिषद

PR 376155 Urban Development(25-26)#D

कार्यालय, जिला परिषद, राँची
(अभियंत्रण शाखा)

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना
टेन्डर रिफ्रेन्स नम्बर–DOPR/DE/Ranchi/35/2025-26

क्र0 सं0	प्रखण्ड का नाम	पंचायत का नाम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	रातु	बड़कटोली	स्वास्थ्य उप केन्द्र	55,50,000	1,11,000.00	10,000.00	09 माह
2		जाड़ी	स्वास्थ्य उप केन्द्र	55,50,000	1,11,000.00	10,000.00	09 माह
3		काटु	स्वास्थ्य उप केन्द्र	55,50,000	1,11,000.00	10,000.00	09 माह
4	सोनाहातु	वीरगामडीह	स्वास्थ्य उप केन्द्र	55,50,000	1,11,000.00	10,000.00	09 माह
5		पण्डाडीह	स्वास्थ्य उप केन्द्र	55,50,000	1,11,000.00	10,000.00	09 माह
6		चौकाहातु	स्वास्थ्य उप केन्द्र	55,50,000	1,11,000.00	10,000.00	09 माह
7		लाण्दुपडीह	स्वास्थ्य उप केन्द्र	55,50,000	1,11,000.00	10,000.00	09 माह
8	ओरमाँझी	बारीडीह	स्वास्थ्य उप केन्द्र	55,50,000	1,11,000.00	10,000.00	09 माह
9	काँके(बड़गाई)	बुटी	स्वास्थ्य उप केन्द्र	55,50,000	1,11,000.00	10,000.00	09 माह
10	काँके	गागी	स्वास्थ्य उप केन्द्र	55,50,000	1,11,000.00	10,000.00	09 माह
11	काँके	मेसरा	स्वास्थ्य उप केन्द्र	55,50,000	1,11,000.00	10,000.00	09 माह
12	काँके	मनहा	स्वास्थ्य उप केन्द्र	55,50,000	1,11,000.00	10,000.00	09 माह

नोट :–केवल ई–टेण्डर ही स्वीकार होगें।
1. अधिकजानकारी के लिए बेबसाईट jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
2. बेबसाईट मे निविदा प्रकाशन की तिथि–06.04.2026
3. ई–निविदा की प्राप्ति की तिथि एवं समय–07.04.2026 से 13.04.2026 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. **निविदा खोलने की तिथि–15.04.2026 को 4.00 बजे अपराह्न।**
5. निविदा आमत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता–जिला अभियंता, जिला परिषद, राँची। ई–निविदा प्रकोष्ट का दुरभाष0–7739519093
6. परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि काई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाब देही आपकी होगी।
8. Form of Bid एवं Bill of Quauntity मे दर भिन्न रहने पर संबंधित निविदादाता का निविदा अमान्य समझा जाएगा।
9. निविदा डबल बीड प्रद्वति से होगा।
10. इस निविदा में जिला परिषद, राँची / बी0सी0डी0 में निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक ही भाग लेगें।
11. जिन संवेदक का कार्य जिला परिषद, राँची में चल रहा है या लंबित है, वे संवेदक इस निविदा में भाग नहीं लेगें, उनकी निविदा अमान्य कर दी जाएगी।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, राँची

PR 376169 Panchayati Raj(25-26)#D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

पैक्स सिलिका: विश्वसनीय तकनीकी गठबंधन का निर्माण

सेमीकंडक्टर रोजमर्रा की तकनीकों- मोबाइल फोन से लेकर घरेलू उपकरणों तक को शक्ति प्रदान करते हैं, लेकिन उनका उत्पादन एक जटिल वैश्विक नेटवका पर निर्भर करता है। सामग्री, डिजाइन, निर्माण और असेंबली अक्सर कई देशों में फैली होती हैं, जिससे यह प्रणाली अत्यधिक परस्पर जुड़ी हुई बन जाती है। दशकों तक यह प्रणाली दक्षता के लिए बनाई गई थी। कंपनियां तेज और सस्ते चिप्स बनाने पर ध्यान केंद्रित करती थीं और उत्पादन को विशेषीकृत वैश्विक केंद्रों में वितरित करती थीं, लेकिन हाल के व्यवधानों- जैसे महामारी से उत्पन्न कमी और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने इस मॉडल के जोखिम को उजागर किया है, जहां स्थानीय झटके वैश्विक उद्योगों में प्रभाव डाल सकते हैं। अमेरिका के नेतृत्व में साझेदार देशों की पहल पैक्स सिलिका इन चुनौतियों का समाधान एक अधिक टिकाऊ तकनीकी और आर्थिक व्यवस्था बनाकर करना चाहती है। यह केवल सेमीकंडक्टर पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय उस पूरी श्रृंखला तक विस्तारित है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थव्यवस्था को संचालित करती है। तक्षशिला संस्थान के हाई-टेक जियोपॉलिटिक्स प्रोग्राम के अध्यक्ष और अमेरिकी विदेश मंत्रालय के क्वाड लीडर्स लीड ऑन-डिमांड (एलएलओडी) कार्यक्रम के पूर्व प्रतिभागी प्रणय कोटस्थाने बताते हैं, ह्यपैक्स सिलिका केवल कंप्यूटर चिप्स के बारे में नहीं है, यह एआई युग के लिए एक तकनीकी समूह है।ह्वयह पहल ह्यमिनरल्स-टू-मॉडल्सह्व सप्लाई चेन को शामिल करती है- महत्वपूर्ण खनिजों और निर्माण से लेकर डेटा और एआई सिस्टम तक और यह इस मान्यता पर आधारित है कि इस क्षेत्र में कोई भी देश पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हो सकता। कोटस्थाने बताते हैं, ह्यसिद्धांत रूप में पैक्स सिलिका एआई युग के पूरे तकनीकी ढांचे में एक ह्यविश्वसनीय क्षेत्रह्व बनाने का प्रयास करता है। इस क्षेत्र के भीतर, समान सोच वाले देश खनिजों, ऊर्जा सहयोग, निर्माण क्षमता, चिप डिजाइन, बौद्धिक संपदा, एआई मॉडल, डिजिटल अवसंरचना और डेटा के अपेक्षाकृत मुक्त प्रवाह की अनुमति देंगे। सदस्य मिलकर इस पूरे ढांचे का इतना बड़ा हिस्सा कवर करते हैं कि कोई बाहरी कर्ता किसी एक खंड पर दबाव नहीं डाल सकता। विविधीकरण का पहलू प्रत्येक स्तर पर कई सहयोगी देशों में क्षमता वितरित करके काम करता है। यदि किसी एक खनिज स्त्रोत में बाधा आती है, तो वैकल्पिक साझेदार स्त्रोत उसकी भरपाई कर सकते हैं। यदि किसी एक निर्माण केंद्र में समस्या आती है, तो अन्य उस भार को संभाल सकते हैं। कोटस्थाने कहते हैं, ह्यपुराने मॉडल में सबसे सस्ता चिप जीतता था। पैक्स सिलिका के ढांचे में विश्वसनीय तकनीक जीतती है। विश्वसनीय का अर्थ है कि उसका स्त्रोत–कच्चे खनिज से लेकर तैनात एआई सिस्टम तक समान सोच वाले देशों से होकर गुजरे। पैक्स सिलिका एक मौलिक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। कोटस्थाने कहते हैं, ह्यह केवल दक्षता की पहल नहीं है, बल्कि सुरक्षा और समृद्धि की पहल है। ह्यमुख्य विचार यह है कि कुछ आर्थिक दक्षता का त्याग करके लचीलापन बनाया जाए, एकल स्त्रोत पर निर्भरता कम की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि एआई अर्थव्यवस्था की अवसंरचना विश्वसनीय साझेदारों के नियंत्रण में हो। संबद्ध देशों के बीच समन्वित कार्रवाई को प्राथमिकता देकर पैक्स सिलिका साझेदारों को तकनीकी ढांचे के पूरक हिस्सों में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करता है, बजाय इसके कि वे पूरी श्रृंखला को दोहराएं। वह बताते हैं, ह्यविचार यह नहीं है कि प्रत्येक देश पूरी श्रृंखला को दोहराए। बल्कि यह है कि विश्वसनीय साझेदार पूरक खंडों में विशेषज्ञता हासिल करें और सप्लाई चेन के सभी चरणों में क्षमताएं रखें। कई देशों के संसाधनों, प्रतिभा और उत्पादन को एकीकृत करके, यह पहल परिचालन निरंतरता को मजबूत करती है और भाग लेने वाले देशों के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक तालमेल का समर्थन करती है। भारत ने फरवरी 2026 में पैक्स सिलिका पहल में शामिल होकर ट्रांसफॉर्मिंग द रिलेशनशिप यूटिलाइजिंग स्ट्रेटेजिक टेक्नोलॉजी (ट्रस्ट) पहल के तहत अमेरिका-भारत सहयोग के साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया। इसी कार्यक्रम में अमेरिका और भारत ने नवाचार के पक्ष में एक नियामक ढांचे के प्रति प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। कोटस्थाने बताते हैं, ह्यू अमेरिका-भारत संबंध स्वाभाविक रूप से उपयुक्त हैं क्योंकि दोनों की क्षमताएं एक-दूसरे की पूरक हैं। अमेरिका चिप डिजाइन टूल्स, ईडीए (इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन) सॉफ्टवेयर, उपकरण और फ्रंटियर एआई मॉडल में अग्रणी है; भारत बड़े पैमाने पर डिजाइन प्रतिभा, एंटरप्राइज एआई इंटीग्रेशन क्षमता और विशाल बाजार प्रदान करता है। चिप डिजाइन के संदर्भ में वह बताते हैं कि भारत में अनुमानित दुनिया के 20 प्रतिशत डिजाइन इंजीनियर और शीर्ष अमेरिकी सेमीकंडक्टर कंपनियों के डिजाइन केंद्र स्थित हैं और पैक्स सिलिका के तहत उपयोग किए जा रहे चिप्स ह्यबेंगलुरु, हैदराबाद और नोएडा में डिजाइन किए जा रहे हैं।ह्व डिजाइन के अलावा, भारत अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी योगदान देता है, जैसे सॉफ्टवेयर, एंटरप्राइज एआई इंटीग्रेशन और ऊर्जा एवं खनिज संसाधन, जिससे वह सुरक्षित और लचीली सप्लाई चेन को सक्षम बनाने में एक रणनीतिक साझेदार बनता है। अमेरिकी तकनीक और एआई नेतृत्व को भारत की क्षमताओं के साथ जोड़कर, पैक्स सिलिका यह दशार्ता है कि विश्वसनीय साझेदारों के बीच सहयोग कैसे वैश्विक तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र में निरंतरता, विविधीकरण और लचीलापन सुनिश्चित कर सकता है।

मोहन सरकार की संवेदना से सशक्तिकरण तक का निर्णय है दिव्यांग शिक्षा में मानदेय वृद्धि

ऐसे में जब डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार ने दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत अतिथि शिक्षकों के लिए 18 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय स्वीकृत किया, तब यह निश्चित तौर पर संवेदनशील शासन का जीवंत उदाहरण बन गया है। यह निर्णय उन अनगिनत शिक्षकों और बच्चों के जीवन में आशा की नई किरण लेकर आया है, जोकि वर्षों से उपेक्षा और संघर्ष का सामना कर रहे थे।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

समाज की वास्तविक प्रगति का मापदंड इस बात से तय होता है कि वह अपने सबसे कमजोर वर्गों के प्रति कितना संवेदनशील है। ह्यदिव्यांगजनह्व वे लोग हैं, जो जन्म से या जीवन की किसी दुर्घटना के कारण शारीरिक या मानसिक सीमाओं से जूझते हैं, परंतु उनके सपने, उनकी आकांक्षाएं और उनका आत्मसम्मान किसी भी सामान्य व्यक्ति से कम नहीं होता। ऐसे में जब डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार ने दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत अतिथि शिक्षकों के लिए 18 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय स्वीकृत किया, तब यह निश्चित तौर पर संवेदनशील शासन का जीवंत उदाहरण बन गया है। वस्तुतः यह निर्णय उन अनगिनत शिक्षकों और बच्चों के जीवन में आशा की नई किरण लेकर आया है, जोकि वर्षों से उपेक्षा और संघर्ष का सामना कर रहे थे।

देखाजाए तो ह्यदिव्यांगताह्व को अक्सर शारीरिक अक्षमता के रूप में देखा जाता है, जबकि यह उससे कहीं अधिक व्यापक सामाजिक और मनोवैज्ञानिक चुनौती है। एक दिव्यांग व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन में हर कदम पर बाधाओं का सामना करना पड़ता है; चाहे वह शिक्षा हो, रोजगार हो या सामाजिक स्वीकृति। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व की लगभग 15 प्रतिशत जनसंख्या किसी न किसी रूप में ह्यदिव्यांगताह्व से प्रभावित है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि यह कोई सीमित वर्ग न होकर एक बड़ा वैश्विक समुदाय है, जिसकी उपेक्षा मानवता के साथ अन्याय के समान है।भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 2.21 प्रतिशत लोग दिव्यांग हैं, विशेषज्ञ मानते हैं कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है। मध्य प्रदेश में भी यह प्रतिशत लगभग दो के आसपास है, जो लाखों लोगों के जीवन की वास्तविकता को दशार्ता है। इन आंकड़ों के पीछे छिपी सच्चाई एक यह भी है कि इन लाखों लोगों में अनेकों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में समान अवसर प्राप्त नहीं हो पाते हैं। ऐसे में यदि सरकार इनकी शिक्षा पर विशेष ध्यान देती है, तब अवश्य ही सीधे उनके जीवन की दिशा बदलने जैसा बदलाव समय के साथ देखने को मिलता है।

यह हमें स्वीकारना ही होगा कि एक दिव्यांग बालक या बालिका को शिक्षित करना सामान्य प्रक्रिया नहीं है। इसके लिए विशेष प्रशिक्षण, धैर्य, तकनीकी साधनों और व्यक्तिगत ध्यान की आवश्यकता होती है। एक शिक्षक को सिर्फ विषय पढ़ाने तक सीमित न रहते हुए बच्चे की मानसिक स्थिति, उसकी गति और उसकी विशेष आवश्यकताओं को समझकर शिक्षण करना पड़ता है। निश्चित ही यह कार्य अत्यधिक श्रमसाध्य और भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण है। इन परिस्थितियों में कहना होगा कि शिक्षकों का योगदान सेवा और समर्पण का अनुपम उदाहरण के रूप में सामने आता है। दिव्यांग शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत शिक्षक समाज के अनदेखे नायक होते हैं। वे बच्चों को अक्षरज्ञान कराने के साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर बनने का साहस और आत्मविश्वास भी प्रदान करते हैं। वे हर दिन उन सीमाओं को चुनौती देते हैं, जिन्हें समाज ने ह्यअसंभवह्व मान लिया है। किंतु जब लंबे समय तक इन्हीं शिक्षकों को कम मानदेय और अस्थिरता का सामना करना पड़ता है तब स्वभाविक है कि उनके मनोबल और इस क्षेत्र की गुणवत्ता दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता ही है।

आज आप कह सकते हैं कि इस स्थिति में मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन सरकार द्वारा 18 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय देने का निर्णय इस स्थिति को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह आर्थिक सहायता प्रदान करने के साथ ही शिक्षकों के कार्य को मान्यता और सम्मान भी देता है। यह तो सर्वमान्य बात है कि जब किसी शिक्षक को उसके कार्य के अनुरूप पारिश्रमिक मिलता है, तब वह अधिक समर्पण और ऊर्जा के साथ कार्य करता है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में भी स्वाभाविक रूप से सुधार होता है।

इस निर्णय का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इससे दिव्यांग शिक्षा के क्षेत्र में योग्य और प्रशिक्षित लोगों को आकर्षित किया जा सकेगा। पहले कम वेतन के कारण इस क्षेत्र में आने से लोग हिचकिचाते थे, किंतु अब बेहतर मानदेय मिलने से यह क्षेत्र अधिक आकर्षक बन सकेगा। इससे इस क्षेत्र में शिक्षकों की संख्या बढ़ेगी और उनकी गुणवत्ता भी बेहतर होगी, जिसका सीधा लाभ बच्चों को मिलेगा।

समावेशी समाज की ओर मजबूत कदम

इसका एक पहलु ये भी है कि यह निर्णय सिर्फ शिक्षकों तक सीमित नहीं है, यह एक समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में उठाया गया कदम है। जब दिव्यांग बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी तो वे भी समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकेंगे। वे आत्मनिर्भर बनेंगे, रोजगार प्राप्त करेंगे और समाज में अपनी पहचान स्थापित करेंगे। यही किसी भी विकसित समाज की पहचान होती है।

मोहन सरकार की इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह दिव्यांगता के प्रति समाज के दृष्टिकोण में बदलाव को दशार्ती है। अब दिव्यांगजन को दया या सहानुभूति के पात्र के रूप में न देखकर अधिकार और अवसर के हकदार नागरिक के रूप में देखा जा रहा है। यह सोच आधुनिक और प्रगतिशील शासन की पहचान है और यही वास्तविक सामाजिक न्याय की नींव है। अतः दिव्यांग शिक्षा में मानदेय वृद्धि, कह सकते हैं कि मध्य प्रदेश सरकार वह निर्णय है जोकि एक सकारात्मक विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है; वस्तुतः एक ऐसी विचारधारा, जिसमें हर व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान देने की प्रतिबद्धता है। यह निर्णय आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत और समावेशी समाज की नींव रखेगा। फिलहाल मोहन सरकार के इस निर्णय से यही आशा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

श्रद्धा, संकल्प और संस्कारों का महापर्व

हजारों लोग अयोध्या स्थित सरयू नदी में पवित्र स्नान कर पंचकोसी की परिक्रमा करते हैं। समूची अयोध्या नगरी इस दिन पूरी तरह राममय नजर आती है और हर तरफ भजन-कीर्तनों तथा अखण्ड रामायण के पाठ की गूंज सुनाई पड़ती है। देशभर में अन्य स्थानों पर भी जगह-जगह इस दिन श्रद्धापूर्वक हवन, व्रत, उपवास, यज्ञ, दान-पुण्य आदि विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है।

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष नवमी को भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में रामनवमी का त्यौहार अपार श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाता है। रामनवमी की तारीख को लेकर इस बार भ्रम की स्थिति बनी हुई है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल चैत्र महीने के शुक्लपक्ष की नवमी तिथि 26 मार्च को सुबह 11:48 बजे से शुरू होकर अगले दिन 27 मार्च को सुबह 10:06 बजे तक रहेगी। ऐसे में सामान्य जन रामनवमी का पर्व 26 मार्च को मनाएंगे जबकि वैष्णव परंपरा से जुड़े लोग उदया तिथि के आधार पर 27 मार्च को रामनवमी मनाएंगे। रामनवमी के दिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में उत्सव का विशेष आयोजन होता है, जिनमें भाग लेने के लिए देशभर से हजारों भक्तगण अयोध्या पहुंचते हैं । हजारों लोग अयोध्या स्थित सरयू नदी में पवित्र स्नान कर पंचकोसी की परिक्रमा करते हैं। समूची अयोध्या नगरी इस दिन पूरी तरह राममय नजर आती है और हर तरफ भजन-कीर्तनों तथा अखण्ड रामायण के पाठ की गूंज सुनाई पड़ती है। देशभर में अन्य स्थानों पर भी जगह-जगह इस दिन श्रद्धापूर्वक हवन, व्रत, उपवास, यज्ञ, दान-पुण्य आदि विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है।

विभिन्न हिन्दू धर्मग्रंथों में कहा गया है कि श्रीराम का जन्म नवरात्र के अवसर पर नवदुर्गा के पाठ के समापन के पश्चात हुआ था और उनके शरीर में मां दुर्गा की नवीं शक्ति जागृत थी। मान्यता है कि त्रेता युग में इसी दिन अयोध्या के महाराजा दशरथ की पटरानी महारानी कौशल्या ने मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम को जन्म दिया था। वाल्मीकि रामायण के अनुसार, ह्यह्यभगवान श्रीराम चन्द्रमा के समान अति सुंदर, समुद्र के समान

गंभीर और पृथ्वी के समान अत्यंत धैर्यवान थे तथा इतने शील सम्पन्न थे कि दुखों के आवेश में जीने के बावजूद कभी किसी को कटु वचन नहीं बोलते थे। वे अपने माता-पिता, गुरुजनों, भाइयों, सेवकों, प्रजाजनों अर्थात हर किसी के प्रति अपने स्नेहपूर्ण दायित्वों का निर्वाह किया करते थे। माता-पिता के प्रति कर्तव्य पालन एवं आज्ञा पालन की भावना तो उनमें कूट-कूटकर भरी थी। उनकी कठोर से कठोर आज्ञा के पालन के लिए भी वह हर समय तत्पर रहते थे।ह्वह्व

श्रीराम का चरित्र बेहद उदार प्रवृत्ति का था। उन्होंने उस अहिल्या का भी उद्धार किया, जिसे उसके पति ने देवराज इन्द्र द्वारा छल पूर्वक उसका शीलभंग किए जाने के कारण पतित घोषित कर पत्थर की मूर्ति बना दिया था। जिस अहिल्या को निर्दोष मानकर किसी ने नहीं अपनाया, उसे भगवान श्रीराम ने अपनी छत्रछाया प्रदान की। लोगों को गंगा नदी पार कराने वाले एक मामूली से नाविक केवट की अपने प्रति अपार श्रद्धा व भक्ति से प्रभावित होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने छोटे भाई का दर्जा दिया और उसे मोक्ष प्रदान किया। अपनी परम भक्त शबरी नामक भीलनी के झूठे बेर खाकर शबरी का कल्याण किया।

महारानी कैकेयी ने महाराजा दशरथ से जब राम को 14 वर्ष का वनवास दिए जाने और अपने लाड़ले पुत्र भरत को राम की जगह राजगद्दी सौंपने का वचन मांगा तो दशरथ गंभीर धर्मसंकट में फंस गए थे। वह बिना किसी कारण राम को 14 वर्ष के लिए वनों में भटकने के लिए भला कैसे कह सकते थे और श्रीराम में तो वैसे भी उनके प्राण बसते थे। दूसरी ओर वचन का पालन करना रघुकुल की मयार्दा थी। ऐसे में जब श्रीराम को माता कैकेयी द्वारा यह वचन मांगने और अपने पिता महाराज दशरथ के इस धर्मसंकट में फंसे होने का पता चला तो उन्होंने खुशी-खुशी उनकी यह कठोर आज्ञा भी सहज भाव से शिरोधार्य की और उसी समय 14 वर्ष का वनवास भोगने तथा छोटे भाई भरत को राजगद्दी सौंपने की तैयारी कर ली। श्रीराम द्वारा लाख मना किए जाने पर भी उनकी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वनों में निकल पड़े।

वनवास की यात्रा की शुरूआत शृंगेवेरपुर नामक स्थान से प्रारंभ कर वहां से वे भारद्वाज मुनि के आश्रम में चित्रकूट पहुंचे। उसके बाद विभिन्न स्थानों की यात्रा के दौरान पंचवटी में उन्होंने अपनी कुटिया बनाने का निश्चय किया। यहीं पर रावण की बहन शूर्पणखा की नाक काटे जाने की घटना हुई। उसी घटना के कारण वहां खर-दूषण सहित 14000 राक्षस राम-लक्ष्मण के हाथों मारे गए। यहीं से श्रीराम व लक्ष्मण की अनुपस्थिति में लंका का राजा रावण माता सीता का अपहरण कर उन्हें अपने साथ लंका ले गया।कहा जाता है कि जब सीता का विरह श्रीराम से नहीं सहा गया तो उन्होंने साधारण मनुष्य की भांति विलाप किया लेकिन हिम्मत न हारते हुए सीता जी की खोज में राम-लक्ष्मण जंगलों में भटकने लगे। इसी दौरान उनकी भेंट श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान से हुई, जिन्होंने राम-लक्ष्मण को वानरराज बाली के छोटे भाई सुग्रीव से मिलाया, जो उस समय बाली के भय से यहां-वहां छिपता फिर रहा था। श्रीराम ने बाली का वध करके सुग्रीव तथा बाली के पुत्र अंगद को किष्किंधा का शासन सौंपा और उसके बाद सुग्रीव की वानरसेना के नेतृत्व में लंका पर आक्रमण कर देवताओं पर भी विजय पाने वाले महाप्रतापी, महाबली, महापंडित तथा भगवान शिव के घोर उपासक लंका नरेश राक्षसराज रावण का वध कर सीता को उसके बंधन से मुक्त कराया और लंका पर खुद अपना अधिकार न जमाकर लंका का शासन रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दिया तथा वनवास की अवधि समाप्त होने पर भैया लक्ष्मण, सीता जी व हनुमान सहित अयोध्या लौट आए। वास्तव में विधि के विधान के अनुसार राम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था।

उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीला खेली और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें ह्यमयार्दा पुरुषोत्तमह्व कहा गया। जहां तक राम-रावण के बीच हुए भीषण युद्ध की बात है तो वह सिर्फ दो राजाओं के बीच का सामान्य युद्ध नहीं बल्कि दो विचारधाराओं का संघर्ष था, जिसमें एक मानव संस्कृति थी तो दूसरी राक्षसी संस्कृति। एक ओर क्षमादान की भावना को महत्व देने वाले व जनता के दुख-दर्द को समझने एवं बांटने वाले वीतरागी भाव थे तो दूसरी ओर दूसरों का सब कुछ हड़प लेने की राक्षसी प्रवृत्ति। रावण अन्याय, अत्याचार व अनाचार का प्रतीक था तो श्रीराम सत्य, न्याय एवं सदाचार के। यही नहीं, सीता जी के अपहरण के बाद भी श्रीराम ने अपनी मयार्दाओं को कभी तिलांजलि नहीं दी। उन्होंने इसके बाद भी रावण को एक महाज्ञानी के रूप में सदैव सम्मान दिया और यह इससे साबित भी हुआ कि रावण की मृत्यु से कुछ ही क्षण पूर्व श्रीराम ने लक्ष्मण को रावण के पास ज्ञान अर्जन के लिए भेजा था। मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनकी प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को आज भी आदर्श शासन की संज्ञा दी जाती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

असम का रहस्यमयी श्रीविष्णु मंदिर

राज्य भारत के असम राज्य में कामरूप जिले के हाजो में श्री हयग्रीव माधव मंदिर स्थित है। यह मंदिर न सिर्फ अपनी वास्तुकला बल्कि अनोखी परंपराओं के लिए भी फेमस है। मणिकूट पर्वत पर बना यह मंदिर सदियों से बौद्ध और हिंदू धर्म के लोगों के लिए बड़ा आस्था का केंद्र रहा है। इस मंदिर की खासियत यह है कि भक्त भगवान श्रीविष्णु को प्रसन्न करने के लिए कछुए का चढ़ावा करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस मंदिर का महत्व, अनूठी परंपरा और बौद्ध धर्म से खास जुड़ाव के बारे में बताने जा रहे हैं।

मंदिर का पौराणिक महत्व

इस मंदिर का इतिहास काफी प्राचीन है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक यहां भगवान श्रीविष्णु के 'हयग्रीव' अवतार की पूजा की जाती है। माना जाता है कि श्रीविष्णु ने इसी स्थान पर मधु-कैटभ नामक दोनों राक्षसों का वध किया था।

माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण 1583 में कोच राजा रघुदेव नारायण द्वारा कराया गया था। वहीं कुछ लोग 100 साल से भी ज्यादा प्राचीन काल के ध्वस्त मंदिर का पुनर्निर्मित रूप मानते हैं। यह मंदिर पत्थरों से बना है और इसकी दीवारों पर हाथियों और अन्य पौराणिक आकृतियों की बेहद सुंदर नक्काशी बनी है।

जानिए अनूठी परंपरा

इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यहां का 'माधव पुखरी' है। इस तालाब में सैकड़ों दुर्लभ प्रजाति के कछुए रहते हैं। यहां की परंपरा है कि भक्त अपनी मनोकामना पूरी होने पर या फिर भगवान को श्रद्धा अर्पित करने के लिए कछुओं को खाना खिलाते हैं। या फिर तालाब में कछुए छोड़ते हैं। इन कछुओं को भगवान विष्णु का कूर्म अवतार माना जाता है। वहीं स्थानीय लोग इन कछुओं की सुरक्षा का खास ख्याल रखते हैं और इनको कभी नुकसान नहीं पहुंचाते हैं।

बौद्ध धर्म से जुड़ाव

हयग्रीव माधव मंदिर की खासियत यह भी है कि यहां पर सिर्फ हिंदू ही नहीं बल्कि भारी संख्या में बौद्ध अनुयायी भी आते हैं। तिब्बती बौद्धों का मानना है कि यह वही स्थान है, जहां पर स्वयं भगवान बुद्ध ने निर्वाण प्राप्त किया था। इस कारण बौद्ध अनुयायी इस मंदिर को काफी पवित्र मानते हैं और इसको 'महामुनि' का मंदिर कहते हैं।

श्री हयग्रीव माधव मंदिर संस्कृति, धर्म और वन्यजीव संरक्षण का एक अनूठा उदाहरण है। यहां की शांति और सदियों पुरानी परंपराएं इसको भारत के अन्य मंदिरों से अलग बनाती हैं।

टिप्स

यूरिक एसिडऔर जोड़ों में दर्द से हैं परेशान?

जब यूरिक एसिड का लेवल बढ़ता है, तो इससे जोड़ों में दर्द होने लगता है। अक्सर बदलते मौसम में दर्द और अकड़न बहुत ही ज्यादा परेशान रहते हैं। कई बार तो दर्द इतना भंयकर होता है कि रोजमर्रा के काम करने में भी परेशानी महसूस होती है। अब आपको बिल्कुल भी परेशान होने की जरुरत नहीं है। इस आर्टिकल में हम आपको एक ऐसी देसी डिटॉक्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपकी मदद कर सकता है।

हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया है कि यह डिटॉक्स जूस शरीर में बढ़े हुए यूरिक एसिड को कंट्रोल कर सकता है और इसके साथ ही बॉडी को यह अंदर साफ करता है। आइए आपको बताते हैं कैसे इस जूस को बनाएं।

सामग्री

-खीरा- 1
-चुकंदर- 1
-अदरक- 1 इंच
-नींबू का रस- 1 बड़ा चम्?मच
-हरा धनिया- थोड़ा सा
-नारियल पानी- आधा गिलास

जानें इसे बनाने का तरीका

- सबसे पहले इन सभी चीजों को अच्छे से धो लें।
- फिर इन्हें मिक्सर में अच्छे से ब्लेंड कर लें बिल्कुल स्मूद पीस लें।
- अगर जरुरत है तो आपको इसको छान लें।
- इसे सुबह खाली पेट या लंच से पहले ताजा-ताजा पिएं।

डिटॉक्स जूस पीने के फायदे

यूरिक एसिड कंट्रोल होता है

शरीर को हाइड्रेट खीरा और नारियल रखता है, यह यूरिक एसिड पेशाब के माध्यम से बाहर निकलने में मदद करता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

जय श्री राम' के नारे लगाते हैं, और राम कथा रामायण का पाठ सुनते हैं : पंडित मुकेश

संवाददाता

साहिबगंजः जिला सहित आसपास क्षेत्र में बड़े ही धूमधाम से रामनवमी को लेकर घरों में मंदिरों में बजरंगबली की धजा को फहराया गया। इस संदर्भ में पंडित मुकेश मिश्रा ने बताया कि राम नवमी हिंदू धर्म का एक प्रमुख त्यौहार है।जो चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी को भगवान विष्णु के सातवें अवतार, भगवान श्रीराम के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व चैत्र नवरात्रि का समापन भी करता है। इस दिन श्रद्धालु व्रत रखते हैं, विशेष पूजा करते हैं।और राम चरितमानस का पाठ करते हैं। राम नवमी का विस्तृत विवरणःमहत्वः यह दिन बुराई पर अच्छाई, सत्य, और धर्म मयार्दा की विजय का प्रतीक है। भगवान राम को 'मयार्दा पुरुषोत्तम' माना जाता है। तिथि और समयः यह त्यौहार हिंदू कैलेंडर के अनुसार चैत्र नवरात्रि के नौवें दिन नवमी मनाया जाता है। 2026 में, यह 26 मार्च को मनाया गया।जन्म की कथाः पौराणिक कथा के अनुसार, अयोध्या के राजा दशरथ की पत्नी कौशल्या के गर्भ से, मध्याह्न दोपहर के समय भगवान राम का जन्म हुआ था।सुबह स्नान के बाद, श्रद्धालु उपवास का संकल्प लेते हैं।भगवान राम की मूर्ति को पालने झूले में रखा जाता है।दोपहर के समय, भगवान राम का जन्म उत्सव मनाया जाता है और भक्त भजन-कीर्तन करते हैं।इस दिन 'सूर्य तिलक' अनुष्ठान भी काफी प्रसिद्ध है, जहाँ सूर्य की किरणें सीधे राम लल्ला की प्रतिमा के माथे पर पड़ती हैं।उत्सवः लोग मंदिरों में जाते हैं। 'जय श्री राम' के नारे लगाते हैं, और राम कथा रामायण का पाठ सुनते हैं। यह दिन विशेष रूप से अयोध्या में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है।अन्य नामः यह दिन चैत्र नवरात्रि का समापन दिन भी है, जिसे 'राम नवमी' के रूप में जाना जाता है। राम नवमी केवल एक त्यौहार नहीं है, बल्कि यह सच्चाई, विनम्रता, और करुणा के साथ जीवन जीने की याद दिलाता है।

पिपरवार के बचरा बस्ती में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

पिपरवार : सीसीएल की सीएसआर योजना के तहत पिपरवार क्षेत्र स्थित बचरा उत्तरी पंचायत स्थित बचरा बस्ती में गुरुवार को बचरा क्षेत्रीय अस्पताल द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 31 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर परामर्श दी गई। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाना और लोगों को मौसमी बीमारियों के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान चिकित्सकों ने मरीजों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की और निशुल्क आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई। इस शिविर में मुख्य रूप से उप मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. बी. ब्रह्मचारी, मुख्य फार्मासिस्ट कमलेश कुमार और स्वास्थ्यकर्मी रौशन तिर्की की सक्रिय भागीदारी रही। चिकित्सकीय टीम ने ग्रामीणों को मौसमी बीमारियों से बचाव, स्वच्छता और संतुलित आहार के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के शिविर से उन्हें नजदीक में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं, जिससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है।सीसीएल प्रबंधन की ओर से बताया गया कि कंपनी सामाजिक दायित्वों के तहत लगातार इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी, ताकि दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।

नल जल योजना के तहत ग्रामीणो के बीच फॉर्म वितरित

संवाददाता

साहिबगंज : परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान ने चुनाव मे जनता से किये वादे पर काम करना शुरू कर दिया।उन्होंने चुनाव के समय जनता से वादा किया था,कि गर्मी मे किसी भी कीमत मे पानी की समस्या नहीं होंगी।इसी के मद्देनजर बीते दिनों नगर परिषद सभागार मे अध्यक्ष,उपाध्यक्ष 28 वार्ड पार्षदो के आलावे पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता शशि सिंह,पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता, नगर परिषद के सिटी मैनेजर के साथ बैठक मे स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जल्द से जल्द जलापूर्ति सुनिश्चित की उन्हें जानकारी दी जाए।नगर परिषद अध्यक्ष ने कहा कि शहर के लोगों को गर्मी में पेयजल उपलब्धता को लेकर चिंतित हैं।उनकी कोशिश होगी कि किसी भी वार्ड में पानी की किल्लत होने पर इसका तत्काल निदान हो सके। घर-घर जलापूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में विभाग से कई बिंदुओं पर चर्चा कर जलापूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए कहा गया है।इसी को लेकर वार्ड नंबर 22 के वार्ड पार्षद सुरेंद्र यादव घर-घर नल जल योजना के तहत ग्रामीणो के बीच फॉर्म वितरण किया 'साथ ही डोर-टू-डोर जाकर लोगो की समस्याओ को सुना और समाधान का प्रयास किया।उन्होंने कहा कि जनता की सेवा ही मेरा कर्तव्य है।साथ ही कहा कि अगर जनता को आधी रात मे मेरी जरूरत पड़ेगी,तो मैं आपलोगो के लिए खड़ा रहूंगा।

मारपीट का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शुभमपुर भट्ठा निवासी विजय कुमार यादव के साथ पशुपालन विभाग के कार्यालय के समक्ष एक व्यक्ति पर मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़ित विनोद कुमार यादव ने मामले की जानकारी जिरवाबाड़ी पुलिस को देते हुए प्राथमिक की दर्ज करवाया है। घायल विजय यादव ने आवेदन में बताया कि बीते बुधवार को जिला पशुपालन कार्यालय गया था। पशुपालन पदाधिकारी से मुलाकात कर जब मैं बाहर निकाला तो कार्यालय के अंदर का मुख्य द्वार के पास जैसे ही पहुंचा तो वहां पर पहले से घात लगाए राजीव यादव ने अचानक लाठी डंडे से वार कर जान मारने की नीयत से बुरी तरह से घायल कर दिया। किसी तरह से वहां से जान बचाकर भागा और उपचार के लिए सदर अस्पताल पहुंचा। उन्होंने पशुपालन पदाधिकारी डदिवेश सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि पूर्व में भी पशुपालन पदाधिकारी निसार यंत्र के तहत मिली भगत से जान मारने की नीयत से मेरे ऊपर राजीव यादव से वार करवाया था।थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि प्राथमिक की दर्ज कर ली गई है मामले की छानबीन की जा रही है।

आरपीएफ ने तीन नाबालिक का किया रेस्क्यू

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाःबुधवार को लगभग 8:20 बजे बरहरवा आरपीएफ द्वारा मानव तस्करी के विरुद्ध निर्धारित कार्यक्रम के तहत सहायक उपनिरीक्षक सुरेश पासवान एवं कांस्टेबल अनिल कुमार साह,स्टाफ आरपीएफ पोस्ट बरहरवा, द्वारा इंस्पेक्टर आरपीएफ बरहरवा संजीव कुमार के पर्यवेक्षण में बरहरवा रेलवे स्टेशन पर चेकिंग गश्त की जा रही थी।जाँच अभियान के दौरान सहायक उपनिरीक्षक सुरेश पासवान द्वारा प्लेटफॉर्म संख्या 02 के एफओबी के पास एक लड़का व दो लड़कियां संदिग्ध अवस्था में खड़े पाए गए,जिन्हें रोककर पूछताछ की गई।प्रारंभिक पूछताछ में वे संतोषजनक उत्तर नहीं दे सके।तत्पश्चात उनसे विनम्रता पूर्वक विस्तृत पूछताछ करने पर तीनों नाबालिक बच्चों ने अपना उम्र 14,16 और 17 और थाना सुंदर पहाड़,जिलाझगोड्डा झारखंड के रहने वाला बताया।आगे पूछताछ में उन्होंने बताया कि उनके घर में आपसी विवाद झगड़ा होने के कारण वे बिना अपने अभिभावकों को सूचित किए घर से भाग आए थे तथा गाजियाबाद दिल्ली जाकर मजदूरी घरेलू कार्य करने का इरादा था।उनके पास बरहरवा से गाजियाबाद तक के वैध यात्रा टिकट क्रमांक युभीए -80998011, युभीए-80998012 व युभीए -80998013 पाए गए।उनकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने के कारण उक्त लड़का एवं लड़कियों को फ्ढत्र्ऋ पोस्ट कार्यालय बरहरवा लाया गया तथा अग्रिम विधिक कार्रवाई हेतु मामला बाल संरक्षण मंच,राजमहल साहिबगंज को सूचित किया गया। तत्पश्चात अंशु मालाकर बाल संरक्षण मंच,राजमहल आरपीएफ कार्यालय पहुँची,आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूर्ण करने के उपरांत उक्त नाबालिग लड़का एवं लड़कियों को उनके सुपुर्द किया गया है।

बिन्दुधाम में रामनवमी पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : जिले के प्रसिद्ध बिन्दुधाम मंदिर में रामनवमी के पावन अवसर पर भव्य एवं दिव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा।बिन्दुधाम प्रबंधन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष शक्ति नाथ अमन ने जानकारी देते हुए बताया कि यह शोभायात्रा 27 मार्च 2026 को दोपहर 2 बजे बिन्दुधाम मंदिर से स्थानीय प्रसासनिक देख रेख में प्रारंभ होगी।जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होगा।शोभायात्रा मंदिर परिसर से निकलकर पतना से बरहरवा नगर एवं आस पास के इलाकों का भ्रमण करेगी।आयोजन को लेकर मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं भव्य तरीके से संपन्न हो सके।प्रबंधन समिति ने जिले के सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपने परिवार और मित्रों के साथ अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस आयोजन को सफल बनाएं।रामनवमी के अवसर पर ‟जय श्री राम" के जयघोष से पूरा नगर भक्तिमय माहौल में सराबोर रहेगा।इस आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।इधर बिंदुधाम मंदिर में पूजा अर्चना के दौरान भी हजारो की संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन हो रही है।ज्ञात हो रमानवमी महोत्सव के उपलक्ष में भव्य मेले का भी आयोजन किया जाता है जो पूरे एक महीने तक संचालित की जाती है।जिसमें बिहा, बंगाल से लेकर अन्य राज्यो से भी लोग भारी संख्या में उपस्थित होते है।

पुलिस ने खूब चली लाठी, दागे गए आंसू गैस के गोले

एसपी ने कहा दंगाइयों व हुड़दंगियों की खैर नहीं

साहिबगंज :किसी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस लाइन में पुलिस विभाग ने मॉक ड्रिल किया। इस दौरान एसपी अमित कुमार सिंह ने मॉक ड्रिल का अवलोकन कर कई आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही पुलिस जवानों की हौंसला अफजाई की। मॉक ड्रिल में जमकर लाठी चली व आंसू गैस के गोले भी दागे गए। पुलिस जवानों ने भीड़ से निपटने, लाठी चार्ज, आंसू गैस, वाटर कैनन व अन्य का अभ्यास किया। एसपी ने कहा कि पुलिस के जवान किसी भी परिस्थिति, अपराधी, दंगाइयों व हुड़दंगियों से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। लॉ एंड आर्डर बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा। मौके पर डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा, एसडीपीओ किशोर तिर्की, नगर इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, गंगा थाना प्रभारी लव कुमार, मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश पांडेय सहित अन्य थे।

पीसीसी सड़क और आरसीसी नाली निर्माण का हुआ शिलान्यास

संवाददाता

साहिबगंजःबरहरवा नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए वार्ड संख्या 11 के कोयरीपाड़ा एवं वार्ड संख्या 09 के नवाबपाड़ा में महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया गया।जानकारी के अनुसार, वार्ड 11 के कोयरीपाड़ा में लगभग 12,61,000 रुपये की प्राक्कलन राशि से पीसीसी सड़क व आरसीसी नाली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। वहीं वार्ड 09 के नवाबपाड़ा में 3,93,000 रुपये की लागत से आरसीसी नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अर्पिता दास ने संवेदक एवं कनीय अभियंता को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य प्राक्कलन के अनुरूप और उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।स्थानीय लोगों ने इन विकास कार्यों के लिए नगर पंचायत का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि इससे क्षेत्र में जल निकासी की समस्या दूर होगी और आवागमन सुगम बनेगा।

किचन गार्डन के प्रति आमजनों को करे जागरूक : उपायुक्त

संवाददाता

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने बुधवारको कृषि विज्ञान केंद्र सुजानी के प्रशिक्षण हॉल में समेकित पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर उर्वरक अनुज्ञप्ति धारक के लिए 15 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। जिसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए 40 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उद्घाटन के अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक सह प्रमुख कृषि विज्ञान केंद्र सुजानी भी उपस्थित रहे।

उपायुक्त श्री लकड़ा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य उर्वरक विक्रेताओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब विक्रेता स्वयं वैज्ञानिक पहलुओं से अवगत होंगे, तभी वे किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य और संतुलित खाद के उपयोग के प्रति सही जानकारी दे सकेंगे। आगे उपायुक्त श्री लकड़ा ने प्रतिभागियों से अपील करते हुए कहा,‟विक्रेता केवल व्यापार न करें, बल्कि किसानों तक सही जानकारी पहुँचाकर मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में सहयोग करें। उन्होंने संतुलित उर्वरक प्रयोग को भविष्य की खेती के लिए जीवनदायी बताया। साथ ही इस कोर्स के माध्यम से विक्रेताओं को मिट्टी परीक्षण, सॉइल हेल्थ कार्ड का महत्व और रसायनों के साथ-साथ जैविक खादों के समन्वय के बारे में विस्तार से प्रशिक्षित किया जाएगा। आगे प्रशिक्षण के दौरान कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विक्रेताओं को नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश के साथ-साथ सूक्ष्म पोषक तत्वों के सही अनुपात और जैविक खादों के महत्व के बारे में विस्तार से बताया जाएगा।

मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा कि बिना प्रशिक्षण का उर्वरक बेचने के लिए लाईसेंस नहीं मिलेगा। इसलिए सबों को नियमित क्लास करना आवश्यक है। कहा कि इस प्रशिक्षण में नैनो यूरिया सहित अन्य सभी उर्वरकों की जानकारी विस्तार से दी जाएगी। कहा कि अच्छे से सभी प्रशिक्षण प्राप्त करें, ताकि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद किसानों को अच्छे से समझाया जा सके। वहीं कृषि विज्ञान केन्द्र देवघर के वरिष्ठ वैज्ञानिक सह प्रमुख डॉ. राजनकुमार ओझा ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से मिट्टी जांच का महत्व, आवश्यक पोषक तत्व, पोषक तत्व की कमी, प्रभाव एवं लक्षण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड का महत्व, मृदा सुधार, उर्वरक में समानुपात मिलावट, जैव उर्वरक का रख-रखाव, आवश्यक फसलों में अनुशंसित मात्रा में पोषक तत्व प्रबंधन, जैविक खेती एवं उसके अवयव, उर्वरक के उपयोग की विधि, मिट्टी नमूना लेने की विधि, जैव उर्वरक के महत्व आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण समेकित पोषक तत्व प्रबंधन पर दिया जा रहा है, जो उर्वरक अनुज्ञप्ति धारक के लिए है।

कृषकों को जोड़े वैज्ञानिक पद्धति से....

इसके अलावा उपायुक्त श्री लकड़ा ने कृषि विज्ञान केंद्र सुजानि में संचालित शोध व प्रसार गतिविधियों का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने मृदा परीक्षण, मशरूम, मसलों की खेती और वर्मी कंपोस्ट इकाई का निरीक्षण कर केवीके द्वारा किसानों के हित में हो रहे कामों की सराहना की। मौके पर असिस्टेंट डायरेक्टर इग्नू, जिला पशुपालन पदाधिकारी देवघर एस. स्वाइन, पशु वैज्ञानिक डॉ. पूनम सोरेन, डॉ.विवेक कश्यप, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, केवीके देवघर के अधिकारी सहित सभी 40 प्रतिभागी उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

कोलकाता के छात्रों ने किया फॉसिल्स पार्क का भ्रमण

साहिबगंजः जिले में सरोजिनी नायडू महिला महाविद्यालय के युजी व पीजी की दर्जनों छात्रा मण्डरो प्रखंड के फॉसिल्स पार्क का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान मॉडल कॉलेज राजमहल के प्रचार्य एवं भू वैज्ञानिक डॉ रंजीत कुमार सिंह ने फोसिल्स पार्क में मौजूद जीवशम के बारे में विस्तृत जानकारी दिया बताया की अपने अतीत के बारे में जानना है तो जीवशम को समझना पड़ेगा व उनका अध्ययन करना पड़ेगा,हमारी पृथ्वी एवं इनकी उतप्ति की रोचक जानकारी इन जीवशम से सरोकार रखती है,वहीं सरोजिनी नय्यूडू कॉलेज के छात्राओं ने पार्क में मौजूद म्यूजियम भी देखा और विस्तृत जानकारी प्राप्त की, बताया की जीस प्रकार किताब से ज्ञान अर्जित करते हैं, यहाँ पार्क आकर भी छात्र इस जीवशम को देख कर इनके बारे में विस्तृत जानकारी हासिल कर सकते है।अंततः कोलकाता से आई टीम ने इतने बढ़िया एवं रोचक जानकरी हेतु डॉ रंजीत कुमार सिंह का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर डॉ तुहीन रॉय,सहजगी अध्यापक हेड ऑफ डिपार्टमेंट जोगर्फी डॉ सत्यरूपा डेय अनामिका रॉय, चन्द्रिमा बंधोंप्ध्याय देवांगना कावासी, छात्राओं में स्नेहा सरकार सांनंदा मिश्रा साबोंती विश्वास,श्री जनिपाल,सुहानी अहमन्दसरोजनी न्यायडू महिला महाविद्यालय, दमदम, कोलकाता दर्जनों छात्राएँ मौजूद थी।

लोगों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाकर किया हंगामा

साहिबगंजः सदर अस्पताल में भर्ती महिला तालझारी थाना क्षेत्र के निवासी होपन मय किस्कू 21 वर्ष की मौत के बाद स्वजनों ने जमकर हंगामा किया। सूचना पर सदर अस्पताल पहुंची जिरवाबाड़ी पुलिस मृतक के स।जनों को समझा बूझकर शांत किया और एंबुलेंस के माध्यम से घर भिजवाया। दरअसल बीते मंगलवार की रात्रि होपन मय किस्कू 21 वर्ष पति तालु मरांडी की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। यहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार शुरू की लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।होपन मय किस्कू की मौत के बाद स्वजन घर जाने की तैयारी कर रहे थे इसी दौरान स्वजन साथ कुछ ग्रामीण भी पहुंचे थे उन लोगों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाने लगे और हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा होता देख अस्पताल के कर्मियों ने इसकी जानकारी जिरवाबाड़ी पुलिस को दिया।जिरवाबाड़ी पुलिस सदर अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी लेते हुए स्वजन व स्थानीय लोगों को समझाया बुझाया और मामले को शांत करवाया। इधर डाक्टर ने बताया कि महिला बेहद गंभीर परिस्थिति में आई थी वह बेहद कमजोर थी लगातार इलाज चलते रहा लेकिन वह बच नहीं सकी इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी।

चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार

साहिबगंज :आरपीएफ टीम ने रेलवे के एसएलआर बोगी की सील तोड़कर चोरी करने के मामले मे. छापेमारी कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।जानकारी के अनुसार नंदुरबार रेलवे स्टेशन क्षेत्र में हुई चोरी की घटना के बाद आरपीएफ की टीम जांच के सिलसिले में साहिबगंज पहुंची थी। इसी क्रम में नगर थाना क्षेत्र के बादशाह चौक के पास छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान आरपीएफ ने छोटू नामक युवक को गिरफ्तार कर लिया। मौके पर मौजूद आरपीएफ सब इंस्पेक्टर ने बताया कि नंदुरबार में दर्ज रेलवे चोरी के मामले में यह कार्रवाई की गई है।

संदिग्ध अवस्था में युवक का शव रेल

साहिबगंज/बरहरवाः रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म संख्या 02 से संदिग्ध अवस्था मे एक युवक का शव रेल पुलिस ने बरामद की है।मिली जानकारी के अनुसार रेलवे पुलिस ने बताया कि बरहरवा स्टेशन मास्टर से लगभग 01.00 बजे एक मेमो प्राप्त हुआ, जिसमें प्लेटफॉर्म नंबर 02 के साहिबगंज छोर पर शेड के पास एक अज्ञात पुरुष, उम्र लगभग 25 वर्ष, के पड़े होने की सूचना दी गई थी। मेमो संख्या- शून्य, दिनांक 26 मार्च के अनुसार, किलोमीटर संख्या 177/10 के पास यात्री शेड में उक्त व्यक्ति मृत प्रतीत हो रहा था।?मेमो प्राप्त होने के बाद, ए.एस.आई. ए.के. हांसदा ने ऑन-ड्यूटी स्टाफ हेड कांस्टेबल एस.के. मंडल के साथ लगभग 13.10 बजे बरहरवा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 02 पर घटनास्थल का दौरा किया और देखा कि मृतक यात्री सीट पर शेड के पास पड़ा है। मृतक का सिर पूर्व दिशा की ओर और पैर पश्चिम दिशा की ओर थे। मृतक भूरे रंग का ट्रैकपेंट और काले रंग की हाफ टी-शर्ट पहने हुए था। अवलोकन के बाद ऐसा प्रतीत हुआ कि मृतक की मृत्यु बीमारी के कारण प्राकृतिक रूप से हुई है।?तत्पश्चात लगभग 4.00 बजे जी.आर.पी. बरहरवा के ए.एस.आई. अरुण कुमार अपने स्टाफ और डोम के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान, जी.आर.पी. बरहरवा ने डोम की सहायता से मृतक के पास से एक रेलवे टिकट संख्या एएडी-04512512, 24 मार्च आनंद विहार टर्मिनल से दानापुर बरामद किया। सभी कानूनी औपचा रिकताएं पूरी करने के बाद, शव को लगभग 04.15 बजे प्लेटफॉर्म नंबर 02 से हटाया गया और पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, राजमहल भेज दिया गया।?मृतक की पहचान उसके पिता- अजीजुल रहमान और उसके बड़े भाई मुख्लशुर रहमान ने मफक्कर इस्लाम उम्र लगभग 25 वर्ष, पिता अजीजुल रहमान, निवासी साहिबडांगा, थाना बरहरवा, जिला- साहिबगंज, झारखंड के रूप में की। पिता ने बताया कि उनका बेटा मजदूरी के लिए दिल्ली गया था और गंभीर रूप से बीमार होने के कारण वह किसी ट्रेन से घर वापस लौट रहा था। उन्होंने यह भी बताया कि आज जी.आर.पी. बरहरवा से एक फोन कॉल प्राप्त होने पर वे स्टेशन आए, जहाँ उन्होंने मृतक की पहचान अपने बेटे मफक्कर इस्लाम के रूप में की।जी.आर.पी. बरहरवा ने इस संबंध में यू.डी. अप्राकृतिक मृत्यु केस संख्या 09/2026, दिनांक 26 मार्च दर्ज किया है ,पोस्टमार्टम के बाद शव को विधिवत परिजनों को सौप दिया जाएगा।बरहरवा रेल जीआरपी थाना ए.एस.आई. अरुण कुमार द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अयोध्या में कब मनेगी रामनवमी? राम जन्मोत्सव का शुभ मुहूर्त और शुभ संयोग

राम नवमी हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है, जो भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में विशेष महत्व रखती है। इस दिन भगवान श्रीराम की पूजा करने से भक्तों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है।

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि, जिसे हम रामनवमी के रूप में मनाते हैं, न केवल अयोध्या बल्कि संपूर्ण विश्व के सनातनी समाज के लिए आस्था का चरम बिंदु है. इस वर्ष अयोध्या में रामनवमी की सही तिथि को लेकर श्रद्धालुओं के बीच व्याप्त भ्रम की स्थिति अब पूरी तरह स्पष्ट हो गई है. ज्योतिष गणनाओं और धर्मशास्त्रों के अनुसार, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्मोत्सव इस बार 27 मार्च को पूरी भव्यता के साथ मनाया जाएगा. रामनगरी के मठ-मंदिरों में इसकी तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं.

क्यों है 27 मार्च का दिन सबसे खास?

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, हिंदू पंचांग की गणना यह स्पष्ट करती है कि नवमी तिथि 27 मार्च को दोपहर तक प्रभावी रहेगी. शास्त्रों में 'उदया तिथि' और मध्याह्न काल (दोपहर का समय) की व्याप्ति को विशेष महत्व दिया गया है. चूँकि भगवान श्री राम का जन्म दोपहर 12:00 बजे हुआ था और उस समय नवमी तिथि विद्यमान रहेगी, इसलिए धार्मिक और शास्त्रीय दृष्टि से 27 मार्च ही सबसे उपयुक्त और शास्त्रसम्मत तिथि है.

पुनर्वसु नक्षत्र का दुर्लभ और शुभ संयोग

इस वर्ष की रामनवमी केवल तिथि के कारण ही नहीं, बल्कि नक्षत्रों के विशेष मेल के कारण भी अत्यंत फलदायी होने वाली है. पंडित प्रवीण शर्मा ने बताया कि इस बार पुनर्वसु नक्षत्र का विशेष संयोग बन रहा है. गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में भी वर्णन किया है कि प्रभु का अवतार इसी नक्षत्र में हुआ था. ज्योतिषीय दृष्टिकोण से पुनर्वसु नक्षत्र में की गई पूजा, दान और अनुष्ठान अक्षय पुण्य प्रदान करते हैं. यह संयोग श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करने का एक स्वर्णिम अवसर है.

नवमी तिथि मधु मास पुनीता,
सुकल पच्छ अभिजित हरिप्रीता.
मध्यदिवस अति सीत न घामा,
पावन काल लोक विश्रामा॥

मठ-मंदिरों में जन्मोत्सव की गूंज 27 मार्च को दोपहर ठीक 12:00 बजे अयोध्या के कनक भवन, राम जन्मभूमि मंदिर और अन्य प्रमुख सिद्ध पीठों में शंखध्वनि और घंटों की थाप के साथ प्रभु का प्राकट्य उत्सव मनाया जाएगा. वैदिक मंत्रोच्चार और 'भय प्रकट कृपाला' के भजनों से पूरी अयोध्या नगरी गुंजायमान होगी. पंडितों का मानना है कि ग्रहों की यह स्थिति वैसी ही सुखद है जैसी त्रेतायुग में प्रभु के अवतार के समय थी.

श्रद्धालुओं के लिए विशेष परामर्श

ज्योतिषियों और धर्मगुरुओं ने अपील की है कि सभी भक्त भ्रम का त्याग कर 27 मार्च को ही रामनवमी का पर्व मनाएं. इसी दिन घरों और मंदिरों में भगवान का अभिषेक, पूजन और कन्या पूजन करना सर्वोत्तम रहेगा. पंचांग और परंपरा दोनों के मेल से यह दिन धर्मपरायण जनता के लिए कल्याणकारी सिद्ध होगा.

तारणहार है राम का नाम

'राम' सिर्फ एक नाम नहीं हैं और न ही सिर्फ एक मानव। राम परम शक्ति हैं। प्रभु श्रीराम के द्रोहियों को शायद ही यह मालूम है कि वे अपने आसपास नर्क का निर्माण कर रहे हैं। इसीलिए यह चिंता छोड़ दो कि कौन प्रभु श्रीराम का अपमान करता है और कौन सुनता है। कौन जपता है और कौन नहीं जपता है।

कहते हैं कि प्रभु श्रीरा राम का नाम राम से भी बड़ा है। राम राम जपने से कई लोगों को मोक्ष प्राप्त हो गया। राम एक महामंत्र है, जिसे हनुमान ही नहीं भगवान शिव भी जपते हैं। राम से पहले भी राम का नाम था। प्राचीन काल में राम ईश्वर के लिए संबोधित होता था।

राम या मार

राम का उल्टा होता है म, अ, र अर्थात मार। मार बौद्ध धर्म का शब्द है। मार का अर्थ है- इंद्रियों के सुख में ही रत रहने वाला और दूसरा आंधी या तूफान। राम को छोड़कर जो व्यक्ति अन्य विषयों में मन को रमाता है, मार उसे वैसे ही गिरा देती है, जैसे सूखे वृक्षों को आंधियां।

राम नाम कहने का अर्थ

- एक बार राम कहा तो संबोधन हुआ। राजस्थान में कहते हैं राम सा। आपके सारे दु:ख हरने वाला सिर्फ एकमात्र नाम है- 'हे राम।'
- दो बार राम कहा तो अभिवादन हुआ। उत्तर भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में कहते हैं राम राम।
- तीन बार राम कहा तो संवेदना हुई। जैसे 'ये क्या हुआ राम राम राम।'
- चार बार राम कहा तो भजन हुआ।

राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादूदयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। श्रीराम-श्रीराम जपते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं।

जीवन रक्षक नाम

प्रभु श्रीराम नाम के उच्चारण से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जो लोग ध्वनि विज्ञान से परिचित हैं वे जानते हैं कि 'राम' शब्द की महिमा अपरम्पार है। जब हम 'राम' कहते हैं तो हवा या रेत पर एक विशेष आकृति का निर्माण होता है। उसी तरह चित्त में भी विशेष लय आने लगती है। जब व्यक्ति लगातार 'राम' जप करता रहता है तो रोम-रोम में प्रभु श्रीराम बस जाते हैं। उसके आसपास सुरक्षा का एक मंडल बनना तय समझो। प्रभु श्रीराम के नाम का असर जबरदस्त होता है।

मानव रूप में पूजे जाने वाले पहले देवता

भगवान राम के जन्म के पीछे ढेर सारी दिलचस्प पौराणिक कथाएं सुनने को मिलती हैं। कहा जाता है कि हरि विष्णु के सातवें अवतार श्री राम का जन्म त्रेता युग में हुआ था इसलिए मानव रूप में पूजे जाने वाले ये पहले देवता हैं।

11 हजार वर्षों तक किया राज

बहुत बार हमारे मन में सवाल आते हैं कि राम राज्य को आखिर राम राज्य ही क्यों कहा जाता है? बता दें कि पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक भगवान राम ने ग्यारह हजार वर्षों तक राज किया था इसलिए उस युग को राम राज्य नाम से जाना जाता है।

राम को सूर्यवंशी क्यों कहा जाता है?

माना जाता है कि भगवान राम का जन्म इक्ष्वाकु वंश में हुआ था। पौराणिक कथा और धर्म शास्त्रों के मुताबिक इस वंश की स्थापना भगवान सूर्य के पुत्र राजा इक्ष्वाकु के द्वारा की गई थी। इसी कारण भगवान राम को सूर्यवंशी कहा जाता है।

चौपाई

हरि अनंत हरि कथा अनंता।
कहहिं सुनहिं बहुबिधि सब संता?
रामचंद्र के चरित सुहाए।
कलप कोटि लगि जाहिं न गाए?

भावार्थ

हरि अनंत हैं (उनका कोई पार नहीं पा सकता) और उनकी कथा भी अनंत है। सब संत लोग उसे बहुत प्रकार से कहते-सुनते हैं। रामचंद्र के सुंदर चरित्र करोड़ों कल्पों में भी गाए नहीं जा सकते।

भगवान राम के बारे में 10 बातें

संसार के पालनहार भगवान श्री विष्णु जी ने धर्म की स्थापना और अधर्म के समूल नाश के लिए त्रेतायुग में धरती पर मनुष्य रूप में अवतार लिया था। भगवान विष्णु के अनेक अवतारों में से एक अवतार त्रेता युग में सरयू नदी के तट पर बसी अयोध्या नगरी में सूर्यवंश कुल के राजा दशरथ की महारानी कौशल्या के गर्भ से चैत्र मास की नवमी तिथि अभिजीत मुहूर्त में राम जी ने जन्म लिया था। तब से लेकर आज तक युगों-युगों से चैत्र मास की नवमी तिथि को रामनवमी पर्व मनाया जाता है।

- भगवान श्री राम को मर्यादा का प्रतीक माना जाता है।
- उन्हें पुरुषोत्तम यानि श्रेष्ठ पुरुष की संज्ञा दी जाती है।
- राम जी स्त्री पुरुष में भेद नहीं करते। अनेक उदाहरण है जहां वे अपनी पत्नी सीता के प्रति समर्पित व उनका सम्मान करते नजर आते हैं।
- भगवान राम समाज में व्याप्त ऊंच नीच के भेदभाव को भी नहीं मानते। शबरी के झूठे बेर खाने का उदाहरण इसे समझने के लिये सर्वोत्तम है।
- राम जी वेद शास्त्रों के ज्ञाता और समस्त लोकों पर अपने पराक्रम का परचम लहराने वाले हैं।
- भगवान श्री राम विभिन्न कलाओं में निपुण लंकापति रावण के अंहकार के किले को ध्वस्त करने वाले परम पराक्रमी है।
- रामनवमी के दिन धूमधाम के साथ राम जन्मोत्सव मनाते हुए श्रीरामचरित मानस ग्रंथ का पाठ करना चाहिए।
- श्रीराम लला को मावा एवं पंजरी का भोग अति प्रिय है।
- श्रीरामनवमी के दिन उपवास रखने से जीवन में सुख समृद्धि आती है और ज्ञात-अज्ञात सभी तरह के पापों का नाश हो जाता है।

सुख-सौभाग्य में वृद्धि के लिए राम नवमी के दिन क्या करें और किन चीजों को करने से बचें?

राम नवमी हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह त्योहार भगवान राम के जन्म के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिन्हें भगवान विष्णु का सातवां अवतार माना जाता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, राम नवमी चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है। आपको बता दें, राम नवमी का पावन पर्व 27 मार्च को मनाया जाएगा। इस दिन, भक्त भगवान राम की पूजा करते हैं, भजन गाते हैं और रामायण का पाठ करते हैं। मंदिरों में विशेष आयोजन किए जाते हैं और भगवान राम की शोभा यात्रा निकाली जाती है। अब ऐसे में जो जातक इस दिन प्रभु श्रीराम की पूजा कर रहे हैं। उन्हें क्या करना चाहिए और किन चीजों को करने से बचना चाहिए।

राम नवमी के दिन क्या करें?

- सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- भगवान श्रीराम की भक्ति और उपवास का संकल्प लें।
- मन में शुद्ध विचार रखें और दिनभर सात्विक भोजन ही सेवन करें।
- राम नवमी पर श्री हनुमान जी की पूजा करना भी शुभ माना जाता है।
- हनुमान चालीसा, बजरंग बाण और सुंदरकांड का पाठ करें।
- हनुमान जी को चोला चढ़ाएं और सिंदूर व चने-गुड़ का भोग लगाएं।
- इस दिन जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र का दान करें।
- दिनभर श्रीराम नाम का जप करें और ध्यान में राम दरबार का स्मरण करें।
- इस दिन भगवान श्रीराम को पंचामृत स्नान कराकर विशेष भोग लगाएं।
- राम नवमी के दिन प्रभु श्रीराम के मंत्रों का जाप जरूर करें।

राम नवमी के दिन किन चीजों को करने से बचें?

- राम नवमी के दिन प्याज, लहसुन, मांस और मदिरा जैसे तामसिक भोजन का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दिन सात्विक भोजन करना चाहिए।
- इस दिन किसी भी व्यक्ति का अपमान नहीं करना चाहिए और न ही अपशब्द बोलना चाहिए।
- राम नवमी के दिन झूठ बोलने से बचना चाहिए और सत्य का पालन करना चाहिए।
- इस दिन किसी के साथ झगड़ा करने से बचना चाहिए।
- इस दिन पर घर पर आए किसी भी व्यक्ति को खाली हाथ नहीं लौटाना चाहिए। इससे प्रभु श्रीराम नाराज हो सकते हैं। इसलिए इन बातों का विशेष ध्यान रखें।

1000 अखंड यज्ञों के बराबर का पुण्य प्रदान करता है नवरात्रि की अष्टमी या नवमी पर किया गया कन्या पूजन

नवरात्रि में कन्या पूजन का विशेष महत्व और स्थान माना गया है। ऐसी मान्यता है कि नवरात्रि के दौरान कन्या पूजन करने से मां दुर्गा की असीम करिअप बनी रहती है और घर में सुख-समृद्धि का वास स्थापित होता है। कन्या पूजन करने की शुभ तिथि अष्टमी और नवमी है। नवरात्रि की अष्टमी या नवमी पर किया गया कन्या पूजन 1000 अखंड यज्ञों के बराबर का पुण्य प्रदान करता है। आइये जानते हैं कि कन्या पूजन के दौरान कौन से नियमों का पालन करना चाहिए।

चैत्र नवरात्रि में नवमी तिथि 27 मार्च को पड़ रही है, जो नवरात्रि का आखिरी दिन माना जाता है। इस दिन कई लोग कन्या पूजन करते हैं और उन्हें भोज कराते हैं। कन्या पूजन के साथ-साथ एक बटुक भैरव को भी पूजा में शामिल किया जाता है।

चैत्र नवरात्रि में कन्या पूजन के नियम

कन्या पूजन करते समय यह ध्यान रखना आवश्यक है कि पूजा में भाग लेने वाली कन्याओं की आयु 2 से 10 वर्ष के बीच हो और उनकी संख्या 9 हो। शास्त्रों के अनुसार, कन्या पूजन से एक दिन पहले सभी कन्याओं को उनके घर जाकर निमंत्रण देना चाहिए। कन्या पूजन के दौरान एक बटुक को भी अवश्य बुलाना चाहिए,

यानी एक लड़का बटुक के रूप में कन्याओं के साथ होना चाहिए, और उसकी पूजा करके उसे भी भोजन कराना चाहिए। कन्या पूजन करते समय यह सुनिश्चित करें कि कन्याओं और बटुक को भोजन खिलाने की जिद न करें, बल्कि उन्हें उनके मन से जितना खाएं उतना ही खाने दें। पूजा के दौरान कन्याओं और बटुक को घर की पूर्व दिशा में बैठाना चाहिए। पूजा समाप्त होने के बाद, कन्याओं और बटुक को दक्षिणा अवश्य दें, लेकिन इस बात का ध्यान

प्रभु श्री राम भारतीय चेतना के आदर्श हैं : योगी

एजेंसी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामनवमी पर्व की प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा है कि धर्म, सत्य और मर्यादा के श्रेष्ठतम प्रतीक प्रभु श्री राम के पावन जन्मोत्सव ह्यश्री रामनवमीह्न की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्री राम भारतीय चेतना के वे आदर्श हैं, जिनमें करुणा और कर्तव्य का अद्भुत संतुलन है। उनका जीवन स्मरण कराता है कि शक्ति का सौंदर्य मर्यादा में है और विजय का अर्थ लोकमंगल में।

रामनवमी का यह पावन दिवस हमें प्रेरित करता है कि हम अपने आचरण में सत्य, व्यवहार में करुणा और समाज में समरसता को स्थान दें, यही 'रामत्व' का सच्चा उत्सव है। प्रभु श्री राम की कृपा से आप सभी के जीवन में शांति, संतुलन और सद्भाव बना रहे, यही मंगलकामना है। जय श्री राम!

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रामनवमी पर्व पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी

भोपाल : देश भर में आज शुक्रवार को रामनवमीं का पर्व धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। भगवान श्री राम के जन्मदिन के रूप में रामनवमी का त्योहार मनाया जाता है। रामनवमी का त्योहार हर साल चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन मनाया जाता है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रामनवमी पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने भगवान श्रीराम के आदर्शों- संयम, समर्पण और मयार्दा को जीवन में उतारने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने शुभकामना संदेश में कहा- रामनवमी पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। भगवान श्रीराम का जीवन संयम, समर्पण, सहयोग और मूल्यों पर अडिग रहने के भाव से परिपूर्ण था। उन्होंने दृढ़ संकल्प के साथ अनाचार का विरोध करने और कठिनाइयों का साहस से सामना करने की प्रेरणा दी। मध्य प्रदेशवासियों का सौभाग्य है कि अयोध्या की तरह चित्रकूट धाम और ओरछा तीर्थ यहां पर हैं, जो मयार्दा पुरुषोत्तम राम के जीवन और योगदान का स्मरण करवाते हैं। भगवान श्रीराम के आदर्श सदैव मानवता के पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे।

एक अन्य संदेश के माध्यम से सीएम डॉ. यादव ने चैत्र नवरात्र की नवमीं पर माता सिद्धीदात्री के चरणों में नमन करते हुए कहा- सिद्धगन्धर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि। सेव्यमाना सदा भूयात सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर आदिशक्ति मां दुर्गा के नवम स्वरूप माँ सिद्धिदात्री के चरणों में दंडवत प्रणाम करता हूं। जगत जननी मां की कृपा से सभी का जीवन सुखमय बना रहे, यही प्रार्थना है।

जयशंकर ने फ्रांस में जी 7 विदेशमंत्रियों से वैश्विक शासन में सुधार पर चर्चा की

एजेंसी

पेरिस : भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर ने फ्रांस में हो रहे जी 7 विदेशमंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने 'वैश्विक शासन में सुधार' विषयक सत्र को संबोधित किया। हालांकि भारत जी7 का सदस्य नहीं है। इस आयोजन के अध्यक्ष के नाते फ्रांस ने भारत को आमंत्रित किया है। फ्रांस के बुलावे जयशंकर कल रवाना हुए। यह बैठक राजधानी पेरिस के पास वॉक्स-डे-सेर्ने एबे में हो रही है। जयशंकर ने बैठक के कुछ फोटोज और अपनी सहभागिता के संबंध में एक्स पर पोस्ट किया, "जी 7 विदेश मंत्रियों की बैठक के सत्र में मैंने वैश्विक शासन में सुधार के विषय पर आमंत्रित साझेदारों के साथ चर्चा की। मैंने यूएनएससी में सुधारों, शांति स्थापना अभियानों को सुव्यवस्थित करने और मानवीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने की तात्कालिकता पर जोर दिया। विशेष रूप से, मैंने 'ग्लोबल साउथ' की ऊर्जा चुनौतियों, उर्वरक आपूर्ति और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को उठाया।" उल्लेखनीय है कि फ्रांस पहुंचने पर जयशंकर का वहां के विदेशमंत्री जीन-नोएल बैरोट ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

आईपीएस अधिकारी रतन लाल डांगी निलंबित, आदेश जारी

रायपुर : छत्तीसगढ़ सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रतन लाल डांगी को निलंबित कर दिया है। गृह विभाग द्वारा गुरुवार को जारी आदेश में उनके आचरण को सेवा नियमों के विपरीत और पद की गरिमा के अनुरूप नहीं बताया गया है। जारी आदेश के अनुसार, डांगी पर अशोभनीय और नैतिकता के प्रतिकूल आचरण, पद के प्रभाव का दुरुपयोग तथा स्थापित सांस्कृतिक मानकों के उल्लंघन के आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए हैं। यह भी उल्लेख किया गया है कि उनका आचरण इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में प्रसारित हुआ, जिससे आमजन में पुलिस विभाग की छवि प्रभावित हुई है। सरकार ने माना है कि उक्त कृत्य के लिए अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार प्रतीत होते हैं, जिसके चलते उनके खिलाफ विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। अखिल भारतीय सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम 1969 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए राज्य शासन ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा और बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।

मध्य प्रदेश में फिर बदलेगा मौसम, 7 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, 3 दिन तक रहेगा असर

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में एक बार फिर मौसम करवट लेने जा रहा है। पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती सिस्टम के सक्रिय होने से आज शुक्रवार से प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी और बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है। अगले 24 घंटों में ग्वालियर समेत 7 जिलों में तेज हवाओं और बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, यह स्थिति 30 मार्च तक बनी रह सकती है। प्रदेश के ऊपरी हिस्से में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, जबकि पश्चिमी क्षेत्र में दो चक्रवाती परिसंचरण सिस्टम बने हुए हैं। इनके प्रभाव से ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है। यहां 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की भी संभावना जताई गई है। इसके अलावा भोपाल, इंदौर और उज्जैन समेत करीब 28 जिलों में भी 30 मार्च तक बारिश होने के आसार हैं। 28 मार्च को कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है, जबकि 30 मार्च को मौसम का असर सबसे ज्यादा देखने को मिलेगा। बारिश से पहले प्रदेश में गर्मी ने भी तेवर दिखाए। गुरुवार को नर्मदापुरम में अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का सबसे अधिक रहा। इसके अलावा रतलाम में 39.6 डिग्री, गुना में 38.6 डिग्री, धार, रायसेन और मंडला में 38.4 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। कई अन्य जिलों में भी तापमान 37 डिग्री से ऊपर रहा। बड़े शहरों की बात करें तो उज्जैन में सबसे ज्यादा 37.7 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। भोपाल में 37.4 डिग्री, इंदौर में 37.2 डिग्री, ग्वालियर में 38.6 डिग्री और जबलपुर में 37.5 डिग्री सेल्सियस रहा। बता दें कि मार्च में इससे पहले भी दो बार आंधी-बारिश का दौर आ चुका है, जिसमें 45 से ज्यादा जिलों में प्रभाव देखा गया था और 17 जिलों में ओलावृष्टि हुई थी। अब तीसरा दौर 27 मार्च से शुरू होकर 30 मार्च तक जारी रहने की संभावना है। वहीं, मौसम विभाग ने आगे के महीनों को लेकर भी चेतावनी दी है। अप्रैल और मई में प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है। कई संभागों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है, जिससे गर्मी का असर और बढ़ेगा।

मप्र: प्रयोगशालाओं को बेहतर बनाने के लिए भौतिकी रसायन और गणित के शिक्षकों का दिया जाएगा प्रशिक्षण

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश लोक शिक्षण संचालनालय, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मंशा के अनुरूप विज्ञान शिक्षा को और अधिक समृद्ध किया जा रहा है। इसी क्रम में विभाग द्वारा विज्ञान विषय के शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।लोक शिक्षण आयुक्?त शिल?पा गुप्?ता ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि भौतिकी, रसायन एवं गणित (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स) विषयों के शिक्षकों को प्रयोगशालाओं के बेहतर उपयोग एवं प्रायोगिक शिक्षण को प्रभावी बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण 28 मार्च से 2 अप्रैल तक राजधानी भोपाल स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में होगा। विभाग की इस पहल से शिक्षकों की क्षमता में वृद्धि होगी। साथ ही विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं व्यावहारिक विज्ञान शिक्षा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। लोक शिक्षण आयुक्त ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधारभूत सिद्धांत ₹शैक्षणिक संस्था वह है जिसमें प्रत्येक छात्र का स्वागत किया जाता है और उसकी देखभाल की जाती है। जहां एक सुरक्षित और प्रेरणादायक शिक्षण वातावरण मौजूद होता है। जहां सभी छात्रों को सीखने के लिए विविध प्रकार के अनुभव उपलब्ध कराए जाते है और जहां सीखने के लिए अच्छे बुनियादी ढांचे और उपयुक्त संसाधन उपलब्ध हैं। ये सब हासिल करना प्रत्येक शिक्षा संस्थान का लक्ष्य होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उक्त आधारभूत सिद्धान्त के अनुसार विभाग ने सभी हाई और हायर सेंकडरी विद्यालयों में समुचित अधोसंरचना विकास के साथ प्रयोगशालाओं तथा अन्?य शैक्षिक संसाधनों की उपल?धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। अब आवश्यकता है कि, हमारे शिक्षक साथी इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण में यथोचित उपयोग सुनिश्चित करें, जिससे विद्यार्थी रूचिपूर्वक अध्ययन कर सकें।

17,000 शिक्षक होंगे प्रशिक्षित

तकनीकी प्रशिक्षण के संबंध में अपर परियोजना संचालक नंदा भलावे कुशरे ने बताया कि प्रदेश में यह प्रथम अवसर होगा जब विज्ञान शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय स्तर के संस?थान में इस प्रकार का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में कक्षा 9 से 12 तक के विज्ञान विषय से संबंधित सभी संकायों (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स) के शिक्षकों को विज्ञान प्रयोगशालाओं के ?यापक एवं सार्थक उपयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में भूकंप, लोग घबराकर घरों से बाहर निकले

एजेंसी

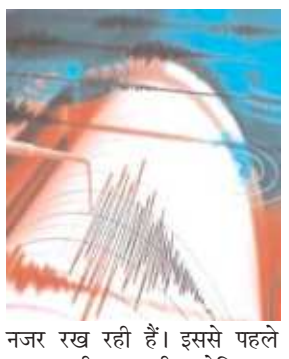

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के झोब और उसके आसपास के इलाकों में गुरुवार रात आए भूकंप से दहशत फैल गई। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.2 दर्ज की गई। लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए और कुरान की आयतें पढ़ने लगे। भूकंप के कारण झोब के किसी भी हिस्से से जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद स्थित राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र ने कहा कि भूकंप का केंद्र झोब से 110 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में 12 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। स्थानीय प्रशासन और बचाव एजेंसियां स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं। इससे पहले गुरुवार की सुबह भी बलोचिस्तान में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र बलूचिस्तान के बारखान से लगभग 55 किलोमीटर उत्तर में था। इसकी गहराई जमीन से लगभग 92 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में युद्ध के थमने या जारी रहने की बात को लेकर बनी असमंजस की स्थिति के कारण ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। वहीं एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। ईरान द्वारा अमेरिका की ओर से आए युद्ध विराम की शर्तों को पूरी तरह से खारिज कर देने और अमेरिका की ओर से पांच दिन तक ईरान के पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला नहीं करने की समय सीमा समाप्ति के करीब पहुंच जाने की वजह से पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में डर का माहौल बना रहा। इस डर की वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि दिन का कारोबार खत्म होने के बाद अमेरिका द्वारा ईरान के पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला नहीं करने की समय सीमा को और पांच दिन बढ़ा देने के बाद डाउ जॉन्स फ्यूचर्स ने आज मजबूती दिखा कर इस ऐलान का स्वागत किया।

पिछले सत्र के कारोबार में डर के माहौल की वजह से एस एंड पी 500 इंडेक्स 114.74 अंक यानी 1.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,477.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह नैस्डेक ने 521.74 अंक यानी 2.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 21,408.08 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। वहीं आज बाजार के मूड में सुधार आने पर डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 217.96 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ 46,178.07 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 134.67 अंक यानी 1.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 9,972.17 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.99 प्रतिशत टूट कर 7,769.31 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 344.11 अंक यानी 1.52 प्रतिशत लुढ़क कर 22,612.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स 148.57 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,005 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.50 प्रतिशत उछल कर 1,450.24 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की छलांग लगा कर 3,899.12 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,898.62 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 251 अंक यानी 1.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,027 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 211.65 अंक यानी 0.39 प्रतिशत लुढ़क कर 53,392 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 102.95 अंक यानी 1.92 प्रतिशत फिसल कर 5,357.51 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 409.08 अंक यानी 1.24 प्रतिशत टूट कर 32,928.54 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,107.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

नोएडा के विशाल मेगा मार्ट में लगी आग

नोएडा : थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के सेक्टर 76 मेट्रो स्टेशन के पास स्थित विशाल मेगा मार्ट में शुक्रवार भोर 4:30 बजे के करीब अज्ञात कारण से आग लग गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची दमकल विभाग की 15 गाड़ियों ने करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि शुक्रवार 4:30 बजे के करीब फायर ब्रिगेड को सूचना मिली कि सेक्टर 76 मेट्रो स्टेशन के पास स्थित विशाल मेगा मार्ट के शोरूम में आग लग गई है। आग भूतल से द्वितीय तल फैल गई। घटना की सूचना पर दमकल विभाग की 15 गाड़ियां मौके पर पहुंची। करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि घटना के समय माल बंद था। वहां पर सिक्योरिटी गार्ड तैनात थे, जिसकी वजह कोई जनहानि नहीं हुई है। माल बिल्कुल मेट्रो स्टेशन से सटा हुआ है और वहां से नोएडा एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग गुजरता है। काफी देर तक वाहन चालकों को वहां से गुजरने में परेशानी हुई। मुख्य दमकल अधिकारी ने बताया कि आग के कारण और आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

मणिपुर में हथियार व विस्फोटक बरामद, आरपीएफ/पीएलए कैडर सहित तीन गिरफ्तार

इम्फाल : मणिपुर में सुरक्षा बलों ने गुरुवार को अलग-अलग अभियानों के दौरान हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा बरामद किया, वहीं एक उग्रवादी संगठन के सक्रिय सदस्य समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा शुक्रवार को दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इम्फाल पूर्व जिले के याइंगांगपोकपी थाना क्षेत्र के तहत तुइनोमजांग और सनासाबी जंगल इलाके में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और अन्य सामग्री बरामद की। बरामद सामान में एक .22 पिस्टल मैगजीन सहित, एक .22 राइफल, एक देशी कार्बाइन, एक पोम्पी गन (बाइपॉड सहित), एक देशी सिंगल बैरल गन शामिल हैं। इसके अलावा एक कैमोफ्लाज बुलेटप्रूफ जैकेट प्लेट्स सहित, एक बाओफेंग वॉकी-टॉकी, एक 51 मिमी मोर्टार हाई-एक्सप्लोसिव बम, .22 के 10 राउंड जिंदा कारतूस तथा एक खाली एसएलआर मैगजीन भी बरामद की गई। एक अन्य कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने आरपीएफ/पीएलए के कैडर सेराम चिंगलोइबा मैतेई उर्फ टोमेई उर्फ टॉम (27) को इम्फाल पूर्व जिले के लमलाई थाना क्षेत्र स्थित खुराई अंगोम मणिंग लाइकाई स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया।

इसी क्रम में बिष्णुपुर जिले के नंबोल थाना क्षेत्र के मैत्राम इलाके से दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान कासिमथाई रोंगमेई (32), निवासी लुआंगचुंग पार्ट-1, नोनी जिला तथा गैखुलुआनलुंग रुआंगमेई (46), निवासी खोंगशांग, नोनी जिला के रूप में हुई है।

गिरफ्तार व्यक्तियों के पास से एक चारपहिया वाहन, लगभग 1.7 किलोग्राम वजनी हेरोइन नंबर-4 के 150 साबुन केस तथा पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। सभी मामलों में आगे की जांच जारी है।

सिलचर में नाइजीरियाई नागरिक गिरफ्तार, शरण देने के आरोप में चार अन्य गिरफ्तार

कछार (असम) : सिलचर में पुलिस और असम राइफल्स के संयुक्त अभियान में एक नाइजीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि इस मामले में उसे शरण देने के आरोप में चार अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, विशेष सूचना के आधार पर सिलचर के शिलांग पट्टी इलाके में घूम रहे उक्त संदिग्ध विदेशी नागरिक को पकड़ा गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान एमेका एसेडो के रूप में हुई है। अपराध शाखा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रजत पाल ने मीडिया को बताया कि आरोपित के पास भारत में प्रवेश या रहने के लिए कोई वैध दस्तावेज नहीं था, जिसके चलते उसे गिरफ्तार किया गया। संदेह के आधार पर पुलिस ने मालुग्राम स्थित एक किराए के मकान में तलाशी ली, जहां से एक पहचान पत्र और समाप्त हो चुका वीजा बरामद किया गया। हालांकि, पहचान पत्र असली है या नकली, इसकी पुष्टि अभी नहीं हो सकी है, लेकिन उस पर एमेका एसेडो का नाम दर्ज है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपित ने दावा किया कि वह दिल्ली से सिलचर आया था, लेकिन पुलिस को संदेह है कि वह म्यांमार से मिजोरम के रास्ते भारत में दाखिल होकर सिलचर पहुंचा हो सकता है। जांच में यह भी सामने आया कि वह मालुग्राम इलाके में किराए के मकान में रह रहा था। इस मामले में पुलिस ने मिजो महिला मालसावमी डांगी के अलावा मकान मालिक टिंकू हुसैन बरभुइयां और उनकी पत्नी रूमिना बेगम बरभुइयां को भी हिरासत में लिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विदेशी नागरिक सिलचर में गुप्त रूप से रह रहा था या किसी की मदद से यहां पहुंचा था। उसके यहां आने के उद्देश्य को लेकर भी जांच जारी है।

अनूपपुर: डंपर से टकराया माल वाहक वाहन, 12 घायल

अनूपपुर : मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की फुनगा चौकी अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 43 में ट्रक के पीछे मालवाहक वाहन की घुसने से 12 लोग घायल, 2 गंभीर, सीएचसी फुनगा में भर्ती, डंपर के अचानक रुकने से पीछे चल रहा मालवाहक टकराया, पीछे एक अन्य ने मारी टक्कर, बरहों में शामिल होने आ रहे थे अनूपपुर जिले के फुनगा चौकी अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर गुरुवार की रात करीब 10.30 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। आगे चल रहे ट्रक(डंपर) के पीछे मालवाहक वाहन जा घुसा, जिस पर सवार 12 लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर चीख पुकार और अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फुनगा चौकी प्रभारी सोने सिंह परस्ते दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस टीम ने अपनी वाहन से सबसे पहले घायलों को सुरक्षित निकालकर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फुनगा पहुंचाया, जहां सभी घायलों का उपचार जारी है। चौकी प्रभारी सोनी सिंह परस्ते ने बताया कि फुनगा के पास नेशनल हाईवे 43 पर तेज रफ्तार में डंपर वाहन जा रहा था जिसके पीछे दो मालवाहक गाड़ियां भी जा रही थी। तभी किसी कारणवश आगे चल रहे डंपर वाहन के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दी। जिसके कारण पीछे चल रहा माल वाहक वहां डंपर के पीछे जा टकराया। इसी दौरान उसके पीछे चल रहा अन्य दूसरा मालवाहक ने आगे टकराई मालवाहक वाहन को जोरदार टक्कर मार दिया। जिसके कारण यह घटना ज्यादा भयावा बन गई। घायलों में सभी निवासी निगवानी के हैं जो निगरानी से अनूपपुर के करहीबाह गांव बरहो कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। घायलों में रामनंद कोल (40 वर्ष), शिवाजी कोल (17 वर्ष), बबली कोल (37 वर्ष), नारायणी कोल (50 वर्ष), देवकुमारी कोल (19 वर्ष), प्रमिला अगरिया (13 वर्ष), रामदीन कोल (50 वर्ष), सुनील कोल (17 वर्ष), कस्तूरी कोल (40 वर्ष), गोधनी (30 वर्ष), सुशीला कोल (32 वर्ष), ऋतुवती अगरिया (30 वर्ष), राधा कोल (70 वर्ष) शामिल हैं। घटना में चौकी प्रभारी सोने सिंह परस्ते, सहायक उप निरीक्षक कोमल अर्जरिया, प्रधान आरक्षक सूर्यभान सिंह, ट्रैफिक मित्र महेंद्र पनिका सहित अन्य पुलिस बल मौके पर मौजूद रहे और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से एनएच-43 पर वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो सके।

ग्वालियर में सड़क हादसा, पांच लोगों की मौत, चार घायल

ग्वालियर : मध्य प्रदेश के ग्वालियर में आज तड़के थाटीपुर क्षेत्र स्थित परशुराम चौराहे पर जैन मंदिर के पास एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की ऑटो रिक्शा से टक्कर हो गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में जान गंवाने वालों में एक ही परिवार के कई सदस्य शामिल हैं। घायलों में दो बच्चे भी शामिल हैं, जिनका ग्वालियर के अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह हादसा तड़के करीब तीन बजे हुआ। ऑटो सवार लोग शीतला माता मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। ऑटो में कुल नौ लोग सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नीम के पेड़ से जा टकराया और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां पांच लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कॉर्पियो चालक ने पहले बस स्टैंड के पास एक ई-रिक्शा को टक्कर मारी। इसके बाद पुलिस उसका पीछा कर रही थी। बचने के प्रयास में चालक तेज रफ्तार से वाहन भगाता हुआ आया और रास्ते में ऑटो को टक्कर मार दी। घायलों के मुताबिक, स्कॉर्पियो चालक नशे में था और लापरवाही से वाहन चला रहा था। स्कॉर्पियो में वो अकेला था। पुलिस ने आरोपित चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

न्यूज IN ब्रीफ

टेंपो पलटा, एक की मौत, दो घायल

मेदिनीनगर/पाटन : गुरुवार रात पाटन क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चालक समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान बंगाल के चौबीस परवाना गांव निवासी ओबिजीत जाना (40 वर्ष) के रूप में हुई है। घायलों में ड्राइवर सोनू कुमार (32 वर्ष) और सिबना मंडोल (35 वर्ष) शामिल हैं। बताया गया कि तीनों टेंपो से पड़वा मोड़ पर रामनवमी कार्यक्रम देखने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत पाटन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद ओबिजीत जाना और सिबना मंडोल को बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने ओबिजीत जाना को मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और परिजनों से जानकारी लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

दुर्गा नवमी पर पंडालों में उमड़ी भक्तों की भीड़

मुरी : बुढाम श्री श्री नव दुर्गा पूजा समिति के द्वारा आयोजित शुरूआती पहली से नवमी दुर्गा पूजा नवमी पूजा अनुष्ठान के साथ सम्पन्न हो गया। सन् 2000 से पूजा पुरे नव दिन का होता आ रहा है। पुरोहित मृत्यंजय पांडे के विधिवत दुर्गा मंत्रोच्चारण के साथ दुर्गा के नव रूपों का अहवान किया गया। क्षेत्र की खुशहाली, समृद्धि की कामना की गई। पूजा समाप्ति के बाद आरती हुआ और प्रसाद वितरण किया गया। शाम को खिचड़ी प्रसाद के रूप में दी जाएगी। नव दुर्गा पूजा कमिटी के सोना राम महतो, संजय दता, विभुति गोराई, राजेश कुमार महतो, शाम मोदक, धासीराम महतो, फनीभुषण महतो, करमा मुंडा,वीर सिंह महतो , महेन्द्र महतो, ठाकुर दास मुंडा, उपेन नाथ महतो समेत अन्य सदस्यों ने तन मन से योगदान दिया। अंत में आसते बोछोर आमर होवे की गूँज सुनाई दी।

सिल्ली में रामनवमी पर बिक रहे हैं कई तरह के झंडे

मुरी : सिल्ली के शंकर मेडिकल के परिवार रेखा, विजय, नेहा वर्षों से हरेक साल रामनवमी त्योहार पर विभिन्न प्रकार के रामनवमी के झंडे बेचते आ रहे हैं। रेखा देवी बताती है कि जय श्री राम वाले झंडे की काफी मांग है। वैसे जय सिया राम, जय बजरंग बली, के भी झंडे बिक रहे हैं पहले से काफी लोग धार्मिक प्रवृत्ति के देखे गए हैं। सबसे बडी खासियत झंडे उचित मुल्यपर बिकतें है। ज्यादा झंडे लाल और पीला कपड़े के होते हैं।

मां दुर्गा मंदिर में हुई विशेष पूजा पाठ

मुरी : मंत्रोच्चारण के साथ टुंगडी धार स्थित माँ दुर्गा मंदिर में नवमी को लेकर पूजा पाठ हुआ। नवमी को लेकर यहाँ सन्ध्या को लाठी खेल का आयोजन है। प्रसाद वितरण को लेकर खिचड़ी की व्यवस्था की गई है। शाम तक काफी लोग जामा होते है। माँ दुर्गा मंदिर के पंडाल काफी सुन्दर ढंग से सजाया गया है।

नगर अध्यक्ष सन्नी उरांव ने सपरिवार बनमालीपुर में की बजरंगबली की पूजा-अर्चना

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर नगर परिषद के अध्यक्ष श्री सन्नी उरांव ने शुक्रवार को चक्रधरपुर के बनमालीपुर स्थित प्राचीन बजरंगबली मंदिर में सपरिवार मत्था टेका और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने प्रभु हनुमान से क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और जन-कल्याण की मंगल कामना की।पूजा के दौरान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ बजरंगबली का अभिषेक और श्रृंगार किया गया। सन्नी उरांव ने सपरिवार आरती में भाग लिया और प्रभु को भोग अर्पित किया। इस दौरान मंदिर परिसर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।क्षेत्र के विकास की कामना

इस धार्मिक अवसर पर नगर अध्यक्ष ने कहा, ईश्वर की कृपा और आशीर्वाद से ही जनसेवा का मार्ग प्रशस्त होता है। आज बनमालीपुर में बजरंगबली के चरणों में वंदन कर मैंने नगर के प्रत्येक नागरिक के उत्तम स्वास्थ्य और क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए प्रार्थना की है।₹पूजा कार्यक्रम के दौरान स्थानीय गणमान्य व्यक्ति और नगर अध्यक्ष के परिवार के सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे। पूजा के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण भी किया गया।

एमजीएम के उपाधीक्षक डॉ. जुझार मांझी बने चाईबासा के सिविल सर्जन

जमशेदपुर : एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल के उपाधीक्षक और सरायकेला-खरसावां के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. जुझार मांझी को पश्चिमी सिंहभूम जिले का सिविल सर्जन नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में डॉ. स्वाति कुमारी को पूर्वी सिंहभूम स्थित सदर अस्पताल की चिकित्सा पदाधिकारी बनाया गया है। दोनों डॉक्टरों को पहले प्रतीक्षारत सूची में रखा गया था। डॉ. जुझार मांझी ने बताया कि वे गुरुवार को चाईबासा में अपना कार्यभार संभालेंगे। एमजीएम अस्पताल में उन्होंने हाल ही में पूर्ण रूप से कार्य संभाला था। अब इस पद को फिलहाल अधीक्षक डॉ. बलराम झा अतिरिक्त प्रभार में देखेंगे।

गढ़वा के रामकंडा में रामनवमी जुलूस के दौरान तनाव, घटनास्थल पर पहुंचे डीआईजी और एसपी

संवाददाता

गढ़वा : जिले के रामकंडा थाना क्षेत्र में रामनवमी के अष्टमी के दिन देर रात दो समुदायों के बीच झड़प हो गई। घटनास्थल पर एसपी पहुंचे और महौल को शांत किया गया। वहीं जुलूस के दौरान फैले तनाव को देखते हुए पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गढ़वा एसपी अमन कुमार ने बताया कि थाना प्रभारी को लाईन हाजिर कर दिया गया है। वहीं इस मामले में दोनों पक्षों से 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही 18 वाहनों को भी जब्त किया गया है। इस घटना में 6 पुलिसकर्मी चोटिल हुए हैं।मामले को लेकर स्थिति का जायजा लेने खुद पलामू डीआईजी कौशल किशोर और गढ़वा एसपी अमन कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। स्थिति को देखते हुए इलाके में 100 से ज्यादा पुलिस को तैनात किए गए हैं। मामले को लेकर पुलिस नें बताया कि रामनवमी पर स्थानीय लोगों ने महाअष्टमी पर जुलूस निकाला था। जुलूस को समुदाय विशेष के लोगों ने कौआखोह शिव चबूतरा के पास आगे जाने से रोक दिया। जिसके बाद दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और दोनों ओर से पत्थरबाजी शुरू हो गई। वहां तैनात पुलिस ने माहौल बिगड़ता देख हल्का बल प्रयोग करते हुए आंसू गैस के गोले छोड़े। घटना की सूचना पर डीआईजी कौशल किशोर भी घटनास्थल पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। डीआईजी ने कहा की रामनवमी के पूर्व पुलिस सुरक्षा में झांकी निकाली गई थी। फिर भी जुलूस पर पथराव किया गया। पुलिस भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्के बल का प्रयोग और आंसू गैस के गोले छोड़े।

युद्ध के असर से औद्योगिक रसायनों के दाम में भारी उछाल

जमशेदपुर : वैश्विक युद्ध के असर से अब औद्योगिक क्षेत्रों पर भी दबाव बढ़ने लगा है। आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में रसायनों की कीमतों में भारी वृद्धि हो गई है। इसके कारण उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। उद्योग जगत का कहना है कि यदि जल्द स्थिति सामान्य नहीं हुई तो कई कारखानों को उत्पादन कम करना या अस्थायी रूप से बंद करना पड़ सकता है। पूरे प्रदेश में ऐसे कारखानों की संख्या 150 से अधिक है। अनुमान के मुताबिक इससे बीस हजार कामगार प्रभावित होंगे। कारोबारियों के अनुसार, युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में रसायनों की कीमतों में तेज उछाल आई है। सोडियम सायनॉयड, जिसका उपयोग जिंक प्लेटिंग, गोल्ड प्रोसेसिंग और कई धातुओं के उद्योग में होता है, उसकी कीमत 205 रुपये प्रति किलो से बढ़कर लगभग 315 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

इसी तरह हाइड्रोजन पेरोक्साइड की कीमत 23.50 रुपये से बढ़कर 57 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। हाइड्रोजन पेरोक्साइड का उपयोग कॉपर, कॉटन उद्योग और कई धातुओं की प्रोसेसिंग में किया जाता है। आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पदाधिकारियों की मानें स्थिति ऐसी रही और अकेले आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में आने वाली 50 से अधिक कारखाने बंद हो जाएंगे। इससे यहां काम करने वाले करीब 10 हजार कर्मचारियों की रोजी-रोटी पर सीधे तौर पर असर पड़ेगा।व्यापारियों का कहना है कि बांग्लादेश में डीजल संकट के कारण उत्पादन प्रभावित होने से इसकी आपूर्ति भी कम हो गई है।

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स में नहीं होगी कॉमर्स की पढ़ाई

संवाददाता

जमशेदपुर : साकची स्थित सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स में इस शैक्षणिक सत्र से कॉमर्स (वाणिज्य) की पढ़ाई नहीं होगी। स्कूल प्रबंधन ने संसाधनों की कमी और बुनियादी ढांचे के अभाव का हवाला देते हुए इस वर्ष कॉमर्स संकाय में नामांकन नहीं लेने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस फैसले के बाद कॉमर्स स्ट्रीम की इच्छुक छात्राओं को अब जिले के ही दूसरे उत्कृष्ट विद्यालय, सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस बीपीएम (बमार्माइंस) में दाखिला लेना होगा। शिक्षा विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए उन्हें बीपीएम स्कूल में समायोजित किया जाएगा, जहाँ कॉमर्स की कक्षाएं संचालित करने के लिए पर्याप्त संसाधन और सीटें उपलब्ध हैं। वर्तमान में पूर्वी सिंहभूम में कुल तीन सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस संचालित हो रहे हैं, जिनमें साकची बालिका विद्यालय, बीपीएम बमार्माइंस और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (सुंदरनगर) शामिल हैं। इन स्कूलों को सीबीएसई पैटर्न पर अत्याधुनिक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है, लेकिन साकची स्कूल में फिलहाल कॉमर्स के लिए जरूरी भवन या विशेषज्ञ शिक्षकों जैसे संसाधनों की कमी आड़े आ रही है। बीपीएम बमार्माइंस में कक्षा 11वीं के लिए कॉमर्स, साइंस और आर्ट्स तीनों संकायों में 60-60 सीटें निर्धारित की गई हैं, जिससे साकची की छात्राओं को वहां आसानी से प्रवेश मिल सकेगा। नामांकन प्रक्रिया के तहत हाल ही में जारी मेधा सूची में भी साकची स्कूल के लिए केवल कक्षा 6 से 9 तक की सीटों का विवरण दिया गया था।

बंदगांव में श्रद्धा और उल्लास के साथ रामनवमी की धूम शुरू

कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष रमेश सिंह ने सपरिवार की पूजा-अर्चना

संवाददाता

बंदगांव : बंदगांव प्रखंड में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्मोत्सव 'रामनवमी' अत्यंत धूमधाम और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों और घरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा।कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष रमेश सिंह ने इस पावन अवसर पर सपरिवार पूजा-अर्चना की। उन्होंने विधि-विधान के साथ भगवान श्री राम, माता सीता और भक्त हनुमान की वंदना की और क्षेत्र की सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। बंदगांव के मुख्य मंदिरों में सुबह से ही अनुष्ठान शुरू हो गए थे। वैदिक मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के बीच भक्तों ने भगवान राम की आरती की। रमेश सिंह ने परिवार के सदस्यों के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए पूजा संपन्न की, जो समाज में धार्मिक संस्कारों के महत्व को दशार्ता है। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और रामनवमी की शुभकामनाएं साझा करते हुए आपसी भाईचारे और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।इस अवसर पर रमेश सिंह ने कहा, ₹भगवान श्री राम का जीवन हम सभी के लिए आदर्श है। रामनवमी का यह पर्व हमें अधर्म पर धर्म की विजय और लोक कल्याण की प्रेरणा देता है। हमें उनके बताए गए न्याय और सेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।₹ क्षेत्र के अन्य हिस्सों में भी महावीरी झंडों के साथ जुलूस और जय श्रीराम के नारों से वातावरण गुंजायमान रहा। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन भी मुस्तैद नजर आया।

उत्तरी कोयल नहर किनारे अवैध मिट्टी कटाव से मुख्य नहर को खतरा, प्रशासन मौन

संवाददाता

हुसैनाबाद : हुसैनाबाद प्रखंड क्षेत्र में उत्तरी कोयल मुख्य नहर के किनारे अवैध मिट्टी कटाव का मामला गंभीर रूप लेता जा रहा है। जपलाझनबीनगर रोड से दरुआ जाने वाली सड़क के समीप बने सुपर पैसेज के पास नहर किनारे जमी मिट्टी को लगातार काटकर अन्यत्र ले जाया जा रहा है। इससे न केवल सुपर पैसेज बल्कि मुख्य नहर को भी भविष्य में नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, जब भी शहर या आसपास के ग्रामीणों को मिट्टी की आवश्यकता होती है, वे इसी स्थान से मिट्टी काटकर ट्रैक्टर के माध्यम से ले जाते हैं और अपनी निजी जमीन का भराव करते हैं। इस बार तो एक ठेकेदार द्वारा बड़े पैमाने पर मिट्टी कटाव कर उसे दूसरे स्थान पर ले जाने की बात सामने आई है।बताया जा रहा है कि बंशी बीघा मोड़ तथा बिशुनपुर गांव के समीप स्थित उत्तरी कोयल नहर किनारे की मिट्टी काटकर कई लोगों ने अतिक्रमण करते हुए मकान तक बना लिए हैं। यदि भविष्य में नहर की सुरक्षा के लिए दोबारा मिट्टी भराई की जरूरत पड़ी, तो सिंचाई विभाग को लाखों रुपये का टेंडर निकालना पड़ेगा, जिससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

सबसे हैरानी की बात यह है कि उत्तरी कोयल नहर से जुड़े अभियंताओं या विभागीय अधिकारियों का ध्यान अब तक इस अवैध गतिविधि की ओर नहीं गया है। वहीं हुसैनाबाद के प्रशासनिक अधिकारियों की भी उदासीनता सवाल खड़े कर रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस अवैध मिट्टी कटाव और अतिक्रमण पर रोक नहीं लगाई गई, तो भविष्य में यह बड़ी समस्या का रूप ले सकता है, जिसे संभालना मुश्किल होगा। नहर की सुरक्षा और सरकारी संपत्ति की रक्षा के लिए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की जा रही है।

वार्ड पार्षद राजू प्रसाद कसेरा के आवास पर हुआ माता का जगराता

संवाददाता

चक्रधरपुर : चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर चक्रधरपुर के वार्ड पार्षद श्री राजू प्रसाद कसेरा के आवास पर महाष्टमी की रात्रि को भव्य 'माता का जगराता' का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में स्थानीय श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।

भजन संकीर्तन से गुंजायमान हुआ वातावरण

कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच माता की पवित्र ज्योत प्रज्वलित कर की गई। इसके पश्चात, स्थानीय भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक माता के मधुर भजन प्रस्तुत किए। ₹चलो बुलावा आया है₹ और ₹जय माता दी₹ के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। देर रात तक चले इस जगराते में श्रद्धालु भक्ति में सराबोर होकर झूमते नजर आए।सुख-समृद्धि की कामना

इस अवसर पर राजू प्रसाद कसेरा ने कहा, नवरात्र शक्ति की उपासना का पर्व है। महाष्टमी के इस पुनीत अवसर पर माता के जगराते का उद्देश्य क्षेत्र में सुख, शांति और आपसी भाईचारे की कामना करना है।

प्रसाद वितरण के साथ समापन

कार्यक्रम के समापन पर माता की भव्य आरती उतारी गई। इसके पश्चात उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के बीच विधिवत हलवा-पूरी और चने का प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय युवाओं और कसेरा परिवार के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

रामनवमी को लेकर हजारीबाग पुलिस का अभेद सुरक्षा कवच

संवाददाता

हजारीबाग : रामनवमी को लेकर हजारीबाग पुलिस ने अभेद सुरक्षा कवच तैयार किया है। इस बार हजारीबाग पुलिस टेक्नोलॉजी के साथ-साथ मानव शक्ति का भरपूर उपयोग करने जा रही है। गाड़ियों में जीपीएस लगाया जाएगा। साथ ही अर्थ गूगल मैप के जरिए पूरे जुलूस पर नजर रखी जाएगी।

रामनवमी को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

हजारीबाग में रामनवमी पर 107 अखाड़ों की ओर से जुलूस निकाला जाएगा। इसे लेकर हजारीबाग पुलिस की ओर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पहली बार प्रशासन भरपूर टेक्नोलॉजी का उपयोग करने जा रहा है। सभी अखाड़ों की जीपीएस से मॉनिटरिंग की जाएगी। वहीं अर्थ गूगल मैप का सहारा लिया जा रहा है। पहली बार हर अखाड़ा को यूनिफाइड कोड मुहैया कराया जा रहा है। जिसमें पहला अक्षर थाना का, उसके बाद जुलूस की संख्या, जहां से जुलूस निकालेगा उसका नाम और अखाड़े का अध्यक्ष एवं सचिव का मोबाइल नंबर और उनका नाम अंकित रहेगा। जिसे गूगल अर्थ सर्च इंजन के जरिए मॉनिटरिंग की जाएगी।

10 सहायक मंच तैयार

साथ ही रामनवमी जुलूस को लेकर 10 सहायक मंच तैयार किए जा रहे हैं। जिसमें डीएसपी रैंक के पदाधिकारी तैनात रहेंगे। सभी मंच एक-दूसरे से टेक्नोलॉजी के जरिए जुड़े रहेंगे। 8 किलोमीटर के जुलूस मार्ग पर विशेष रूप से नजर रहेगी। वहीं, 51 सरकारी और निजी अस्पतालों में भी तैयारी की गई है, जहां निशुल्क फर्स्ट एड दिया जाएगा। 10 बाइक एंबुलेंस की भी तैनाती की जाएगी। हर एक मंच के पास एक एंबुलेंस रहेगी। सभी 10 मंचों में भी वह तमाम सुविधा दी जाएगी, जो मुख्य मंच

को दिया जाता है।

143 सीसीटीवी कैमरे से की जाएगी मॉनिटरिंग

पूरे जुलूस की 143 सीसीटीवी कैमरे से मॉनिटरिंग की जाएगी। वहीं 50 नाइट डिवीजन दूरबीन 50 भवन पर लगाए जाएंगे। जहां 100 से अधिक जवानों की तैनाती की जाएगी। पूरे जिले में सैकड़ों की संख्या में ड्रोन आकाश से अपनी नजर बनाए रखेंगे। पहली बार 16 असका लाइट 20 लगाई जा रही है। वही 20 मोबाइल इलेक्ट्रिक यूनिट तैयार किया जा रहा है। वहीं 5000 से अधिक जवानों को सड़कों पर तैनात किया जाएगा। यही नहीं आम जनता के लिए पेयजल और शौचालय की भी व्यवस्था की जा रही है।

इस संबंध में हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि टेक्नोलॉजी के साथ-साथ मानव शक्ति का बेजोड़ तालमेल इस जुलूस में देखने को मिलेगा। उन्होंने लोगों से अपील की है कि हजारीबाग की ऐतिहासिक रामनवमी का आनंद सभी लोग उठाएं, लेकिन कानून तोड़ने का अधिकार किसी को नहीं है।

सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर

एक ओर सड़क पर सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त की जा रही है तो दूसरी ओर सोशल मीडिया पर भी विशेष रूप से नजर रखी जा रही है। हजारीबाग जिला प्रशासन में एक अलग यूनिट सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग के लिए तैयार किया है। अब तक 20 सोशल मीडिया हैंडलर्स को नोटिस जारी कर पोस्ट हटाने का निर्देश जारी किया है।

इस संबंध में हजारीबाग के सदर एसडीपीओ अमित आनंद ने बताया कि हजारीबाग की रामनवमी बेहद खास है। सोशल मीडिया में आपत्तिजनक पोस्ट या फिर भ्रामक जानकारी के कारण अफवाह की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसे देखते हुए विशेष रूप से सोशल मीडिया पर काम किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि पोस्ट करने के पहले सत्यता की जांच कर लें और उन्माद फैलाने वाले पोस्ट ना करें। एसडीपीओ ने कहा कि जो भी व्यक्ति आपत्तिजनक पोस्ट करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।इधर, हजारीबाग में रामनवमी को लेकर अवैध शराब निर्माण और बिक्री के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी है।